हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

पूर्वांचल की विरासत

NEWS

हम बनेंगे आपकी आवाज़

वर्ष : 1 अंक : 04 (कुशीनगर से प्रकाशित) | कुशीनगर, सोमवार 27 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्यः 1.00 रुपया

प्रधान का इस्तीफा मंजूर, प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार शाम श्री धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रिमंडल से इस्तीफा स्वीकार कर लिया। उनकी जगह उपभोक्ता एवं खाद्य मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।श्री प्रधान ने आज अपराह्न शिक्षा मंत्री के पद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेजा था। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, श्रीमती मुर्मू ने प्रधानमंत्री की सलाह पर तत्काल प्रभाव से श्री प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री की सलाह पर श्री जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।श्री प्रधान 07 जुलाई 2021 से शिक्षा मंत्री के पद पर थे। नीट पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले विद्यार्थियों के धरना-प्रदर्शन और विपक्षी दलों के दबाव के बीच श्री प्रधान ने अपने पद से त्यागपत्र दिया था।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आज दोपहर युवाओं के नाम पोस्ट किये गये एक पत्र में

उन्होंने लिखा कि बच्चों के भविष्य और देश विरोधी ताकतों को मौजूदा परिस्थितियों का लाभ उठाने से रोकने के लिए उन्होंने त्यागपत्र दिया है।उन्होंने पत्र में लिखा, जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ न उठाएं, देश की एकता बनी रहे, देश के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में न उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र माननीय प्रधानमंत्री जी को भेज दिया है।उन्होंने कहा कि यह उनके लिए यह व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर उनका मन दु:खी है। युवाशक्ति को देश की असली ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि वह युवाओं को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे। उन्होंने मंत्रिमंडल में मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए श्री मोदी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि वह राष्ट्रसेवा के लिए सदैव समर्पित रहेंगे।नीट पेपर लीक मुद्दे पर श्री प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और कभी परिस्थिति से मुंह नहीं मोड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के बाद कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की।उन्होंने लिखा, मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।शिक्षा मंत्री ने कहा कि गत 03 मई को नीट परीक्षा में अनियमितता की बात सामने आने के बाद सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया तथा पुन: परीक्षा की तिथि घोषित की गयी। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड में करने का निर्णय लिया गया।उन्होंने कहा कि नीट की पुनर्परीक्षा के लिए पूरी सरकार ने मिलकर काम किया और राज्य सरकारों, विशेषकर जिला प्रशासन, छात्रों तथा अभिभावकों के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई और 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली। उन्होंने पत्र में लिखा कि वह पिछले चार दशक से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं।उन्होंने लिखा, मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूं तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूँ। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं। मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूँ।

जंतर मंतर पर हिंसा में दर्ज हुई गंभीर धाराओं में एफ़आइआर

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के निकट 20 जुलाई को हुई हिंसा के मामले में दर्ज पहली एफआईआर में हत्या के प्रयास समेत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की 13 धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया, सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया तथा सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, एफआईआर कर्तव्य पथ थाने में तैनात एक इंस्पेक्टर की शिकायत पर दर्ज की गई है। घटना राफी मार्ग स्थित रेल भवन गोलचक्कर के पास हुई, जहां प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे थे। एफआईआर में कहा गया है कि इंस्पेक्टर की ड्यूटी सुबह पांच बजे से सी-हेक्सागन, जोन-11 (पिंक बूथ) पर लगी थी। वायरलेस संदेश मिलने के बाद पुलिस टीम रेल भवन गोलचक्कर के पास लगाए गए बैरिकेड तक पहुंची, जहां हजारों प्रदर्शनकारी एकत्र थे। एफआईआर के अनुसार, पुलिस ने लाउडस्पीकर के माध्यम से कई बार घोषणा की कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता

(बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है और प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई है।

इसके बावजूद प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते रहे और वहां से हटने से इनकार करते रहे। पुलिस का आरोप है कि कुछ लोगों ने भीड़ को बैरिकेड तोड़कर संसद की ओर बढ़ने के लिए उकसाया। शिकायत में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया, उनके साथ मारपीट की, पथराव किया और चप्पलें फेंकीं। पुलिस के अनुसार, इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए तथा सरकारी संपत्ति और निजी वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। एफआईआर में कहा गया है कि संसद और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े।

पीएम मोदी मांगें माफीः छात्रों पर हिंसा के लिए अमित शाह जिम्मेदाः राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक विवाद और छात्रों के आंदोलन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों की आवाज दबाने के लिए मेट्रो स्टेशन, सड़कें, दुकानें और इंटरनेट तक बंद कर दिया, लेकिन परीक्षा में पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने में विफल रही। राहुल गांधी ने कहा कि अपने अधिकारों की मांग कर रहे छात्रों के साथ सरकार का रवैया बेहद कठोर रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सरकार ने छात्रों के विरोध को रोकने के लिए मेट्रो सेवाएं सीमित कीं, सड़कें बंद कीं, दुकानें बंद कराईं, इंटरनेट सेवाओं पर असर डाला और खाद्य आपूर्ति तक बाधित की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार सब कुछ बंद कर सकती है, लेकिन पेपर लीक नहीं रोक पाई। उनके अनुसार, छात्रों की जायज मांगों का जवाब संवाद के बजाय सख्ती से दिया गया।

इससे पहले भी राहुल गांधी ने 20 जुलाई को दिल्ली में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई की आलोचना की थी। उन्होंने एक घायल छात्र का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि छात्रों को न्याय देने के बजाय उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया। राहुल ने कहा कि आज के भारत में अपने भविष्य और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग करने वाले युवाओं को न्याय नहीं, बल्कि कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है।

माफी मांगे प्रधानमंत्री मोदीः राहुल गांधी

राहुल गांधी ने आगे कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शैक्षणिक संस्थानों को नियंत्रित करना एक गंभीर मुद्दा है और इसके लिए सिर्फ प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि संघ भी उतना ही जिम्मेदार है। शिक्षा व्यवस्था अंदर से पूरी तरह खोखली हो चुकी है और इसे ठीक करने के लिए कड़े व बुनियादी कदम उठाने की ज़रूरत है। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों की दो प्रमुख मांगों पर कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और अत्याचार करने वाले अधिकारियों व आयोजकों पर ऐसी सख्त और पारदर्शी कार्रवाई हो जो सभी को दिखे।

दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस का कहना है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान हालात बिगड़ने पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई करनी पड़ी। पुलिस के अनुसार, झड़पों में 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी और महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थे।

पेपर लीक माफिया मिट्टी में मिला दिए जाएंगेः योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक वाला नकल माफिया इन्हीं दलों की विरासत है, जिसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नुम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ऐसा सख्त कानून ला रही है, जिसके तहत दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और ?10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान होगा।मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहपुर सदर और अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्रों के लिए ?489 करोड़ से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही 'जय श्रीराम', 'मोदी-योगी जिंदाबाद' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉल्स पर लोगों से बातचीत की तथा बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया, उन्हें तिलक लगाया और खिलौने भेंट किए।

कोई नहीं रोक सकता नकल माफिया को मिट्टी में मिलने से

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के सामने अंधकारमय जीवन खड़ा किया, पूरी की पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहाने का काम कर रही हैं। हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं, जिन्होंने छात्रों के भविष्य को देखते हुए पिछले तीन दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं। ये नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे, कोई रोक नहीं सकता इन माफिया को मिट्टी में मिलने से। ये नकल माफिया कांग्रेस व सपा की विरासत हैं। इन्होंने ही माफिया को पाला-पोसा और संरक्षण दिया था।

माफिया पर नकेल कसी और दीं 9 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यूपी के नौजवानों से कहना चाहता हूं कि जिसने छात्रों व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उस माफिया के लिए दो ही जगह होंगी- जेल या जहन्नुम। माफिया के बाप-दादा की कमाई गई संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। हमने माफियाओं पर सख्ती से लगाम कसी है। ऐसा न किया होता तो हम 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाते। पहले राज्य में बड़ा निवेश नहीं आता था, क्योंकि हर जगह कोई न कोई गुंडा या माफिया हावी था। सपा शासन में एक ही नारा गूंजता था- 'देख सपाई, बिटिया घबराई।' लेकिन अब ऐसा नहीं है।

यूपी की विकास यात्रा में सहभागी बना फतेहपुर

सीएम ने कहा कि अब फतेहपुर आकांक्षी जिला नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा का सहभागी बना है और मोदी जी के 'विकसित भारत' संकल्प का सारथी बनकर आगे बढ़ रहा है। मां गंगा व मां यमुना के दोआब में स्थित यह पावन धरा प्राचीन काल से ऋषि-मुनियों की तपस्थली और आस्था का केंद्र रही है। खजुहा की बावन इमली 52 स्वाधीनता सेनानियों के सामूहिक बलिदान की गवाह है। यह धरती निर्भीक पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी और राष्ट्रकवि सोहन लाल द्विवेदी जैसी महान विभूतियों की जन्मस्थली रही है। ऐसी पावन धरा को मेरा कोटि-कोटि नमन। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज फतेहपुर में सड़क, पुल, फ्लाईओवर, बिजली, अस्पताल, कंपोजिट विद्यालय और मेडिकल कॉलेज जैसी विकास परियोजनाएं धरातल पर दिखाई दे रही हैं। जिस जिले ने अमर शहीद जोधा सिंह अटैया और ठाकुर दरियाव सिंह जैसे महान सपूत दिए, उसी फतेहपुर को उनकी स्मृति में मेडिकल कॉलेज देने का सौभाग्य हमारी सरकार को मिला, जो आज जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

भाजपा की जमीन पर था पूर्व सपा विधायक का कब्जा

सीएम ने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास कभी नहीं था और न है। सपा के लोग अब बेरोजगारों की तरह घूम रहे हैं, क्योंकि ठेके, पट्टे और अवैध जमीनों पर कब्जे का उनका धंधा चौपट हो चुका है। इसलिए वे हताश-निराश बैठे हुए हैं। पहले वे किसी भी खाली जमीन या प्लॉट पर कब्जा कर लेते थे। भाजपा ने 1990 में लखनऊ में एक कार्यालय के लिए जमीन ली थी। जब कार्यकर्ताओं ने चंदा इकट्ठा कर कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई तो पता चला कि उस जमीन पर भी सपा के एक पूर्व विधायक ने कब्जा कर रखा था। कल हमने बुलडोजर भेजकर उस कब्जे को हटवाया है। यही इनका धंधा था। खेत बोता कोई और था, लेकिन फसल काटने ये लोग पहुंच जाते थे।

अन्नदाता किसानों के चेहरों पर मुस्कान

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गरीब को मुफ्त राशन व आवास की सुविधा मिल रही है।

अमेठी में टला बड़ा रेल हादसाः मालगाड़ी के 7 डिब्बे पटरी से उतरे

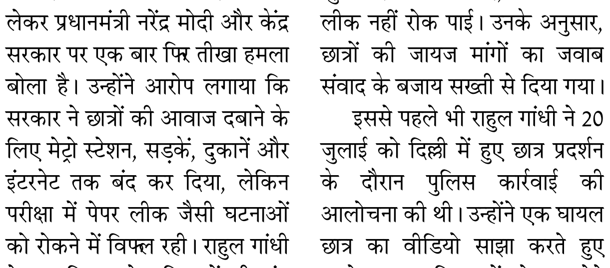

एजेंसी

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में सिन्दुरवा रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह यूरिया से लदी मालगाड़ी के सात डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे इंडोरामा उर्वरक संयंत्र तक रेल परिचालन बाधित हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार यह घटना सुबह करीब पांच बजे की है। फैक्टरी और सिंदुरवा रेलवे स्टेशन के बीच मालगाड़ी के सात डिब्बे पटरी से उतर गए। थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य शुरू कर उर्वरक संयंत्र तक रेल परिचालन जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि लखनऊदृसुल्तानपुर रेलखंड पर ट्रेन के परिचालन पर इस हादसे का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

सरकार से अपनी मांगों पर आश्वासन मिलने के बाद सीजेपी ने वापस लिया आंदोलन

एजेंसी

नयी दिल्ली । पेपर लीक के मुद्दे पर पिछले एक महीने से अधिक समय से आंदोलन चला रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की घोषणा और सरकार की ओर से अपनी प्रमुख मांगों को मान लिये जाने के बाद शनिवार शाम को अपना आंदोलन वापस ले लिया।राजधानी में आज केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ सीजेपी के प्रतिनिधियों सौरव दास और आशुतोष रांका के बीच चली लंबी बातचीत के बाद दोनों ओर से एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में मांगों पर सहमति की घोषणा की गयी। इसी मंच से सीजेपी के दोनों प्रतिनिधियों ने तत्काल प्रभाव से आंदोलन वापस लेने की घोषणा

की।श्री सौरव दास ने कहा, श्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने इस्तीफा दे दिया है। इसलिए हमारी पहली मांग पूरी हो गयी है। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों में इस मुद्दे पर आंदोलन चला रहे विद्यार्थियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियां वापस लेने की मांग भी मान ली है और भविष्य में भी इस प्रदर्शन को लेकर कोई कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया है। सरकार ने इस मामले पर मंगलवार तक लिखित गारंटी देने का वादा किया है।नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिजनों को एक करोड़ रुपये के मुआवजे के मांग के संबंध में श्री नड्डा ने कहा, सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं के प्रति सहानुभूति रखते हैं। जिन बच्चों की मृत्यु हुई है, उनके परिजनों को नियम के अनुसार अधिकतम मुआवजा दिया जाएगा।श्री नड्डा ने कहा कि सीजेपी ने शिक्षा-परीक्षा में सुधार के संबंध में मांगों का जो चार्टर दिया है, उप पर सरकार विचार करेगी। इस पर सीजेपी के प्रतिनिधियों के साथ चार सफ्तार बाद बैठक की जाएगी।श्री नड्डा ने कहा, सरकार ने सीजेपी के मांगों को सहानुभूति पूर्वक माना है। निवेदन है कि आप लोग आंदोलन को वापस लें और हम शांति पूर्वक मिलकर आगे बढ़ें। श्री नड्डा के अपील पर सीजेपी के दोनों प्रतिनिधियों ने तत्काल प्रभाव से आंदोलन वापस लेने की घोषणा कर दी।

प्रधान ने दिया इस्तीफा, जश्न में डूबे जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्र

नयी दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया और जैसे ही यह सूचना जंतर-मंतर पर पहुंची तो वहां जश्न का माहौल बन गया। इसके बाद प्रदर्शनकारी विद्यार्थी

खुशी से झूमने लगे।पिछले 36 दिनों से राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने श्री प्रधान के इस्तीफे के फैसले का उत्साह के साथ स्वागत किया। प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने मिठाइयां बांटी और एक-दूसरे को बधाइयां दीं। प्रदर्शनकारी विद्यार्थी फिल्म चक दे इंडिया के गीत कुछ करिए, कुछ करिए नस-नस मेरी खोले, हाय कुछ करिए....चक दे इंडिया गाने की धुन पर थिरकने लगे। इसके बाद वंदे मातरम गीत बजाया गया। जश्न के दौरान मंच से बार-बार विद्यार्थियों से शांति बनाये रखने की अपील की गयी।

मायावती का नीट पेपर लीक विवाद पर बड़ा बयान

➡राजनीति नहीं, शिक्षा सुधार पर हो फोकस

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने नीट-यूजी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस गंभीर विषय पर हो रही राजनीतिक खींचतान के बीच शिक्षा व्यवस्था में सुधार का मूल उद्देश्य कहीं पीछे नहीं छूटना चाहिए। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले चल रहे शांतिपूर्ण आंदोलन को लोगों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उनके अनुसार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ता राजनीतिक टकराव शिक्षा सुधार जैसे अहम मुद्दे को पीछे धकेल सकता है। मायावती ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तेज राजनीतिक टकराव का माहौल बन गया है, जिससे शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार का वास्तविक मुद्दा पीछे छूटने का खतरा है। बसपा प्रमुख ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों में सड़क से संसद तक होड़ मची हुई है, जिससे सरकार और विपक्ष के बीच तनाव तथा टकराव की स्थिति और बढ़ रही है। मायावती ने आगे कहा कि इसका असर राज्यों तक भी दिखाई दे रहा है, इसलिए उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से सतर्क और सजग रहने की अपील की। मायावती ने कहा कि आंदोलन का पूरी तरह राजनीतिकरण होने और जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई से हालात और अधिक तनावपूर्ण तथा गंभीर हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति के कारण संसद का मानसून सत्र अब तक सुचारु रूप से नहीं चल पाया है, जिससे जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही प्रभावित हुई है। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकार आंदोलन से निपटने के उपायों पर अधिक से अधिक ध्यान दे रही है, जबकि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक जैसी

69 हजार शिक्षक भर्ती विवाद: मायावती के आवास पर पहुंचे अभ्यर्थी, नौकरी की मांग को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ । 69 हजार शिक्षक भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों का आंदोलन शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। नौकरी की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का एक समूह बीएसपी प्रमुख मायावती के आवास पहुंचा, जहां उन्होंने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठाया और उनसे मुलाकात की मांग की। शिक्षकों ने मायावती से न्याय की गुहार लगाई है। प्रदर्शन के दौरान कई अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गई। पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर डटी रहीं। इसी बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक धक्का-मुक्की और नोकझोंक भी हुई। करीब 15 मिनट तक चली बातचीत और विरोध के बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सभी अभ्यर्थियों को हिरासत लिया गया और सभी को बस में लेकर इको गार्डन भेज दिया गया।

लखनऊ अग्निकांड, जिस बिल्डिंग में हुई 15 मौतें...

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने शनिवार को शहर के अलीगंज इलाके में उस चार मंजिला इमारत को गिराना शुरू कर दिया, जहां पिछले महीने भीषण आग में 15 लोगों की मौत हो गई थी। शनिवार सुबह एलडीए की टीम स्थानीय पुलिस कर्मियों के साथ तीन बुलडोजर लेकर घटनास्थल पर पहुंची। इमारत गिराने की प्रक्रिया शुरू होने से पहले अवरोधक लगा दिए गए और इमारत के चारों ओर की सड़कें बंद कर दी गईं। एलडीए के अधिकारियों ने कहा कि ध्वस्तीकरण एलडीए द्वारा शुरू की गई कार्यवाही के बाद किया गया है, जिसमें पाया गया कि एक बेसमेंट और दो मंजिलों वाली आवासीय संरचना के रूप में स्वीकृत इमारत में एक अतिरिक्त मंजिल बनायी गयी और अनधिकृत निर्माण के साथ उसे एक वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में बदल दिया गया था। प्राधिकरण ने 23 जून को उत्तर प्रदेश शहरी नियोजन और विकास अधिनियम, 1973 के तहत एक नोटिस जारी किया था, जिसमें मालिकों को निर्माण की वैधता स्थापित करने का निर्देश दिया गया था। सुनवाई के बाद, नामित प्राधिकारी ने वाणिज्यिक निर्माण को अवैध घोषित कर दिया और 10 जुलाई को इमारत को ध्वस्त करने का आदेश पारित किया, जिसमें मालिकों को 25 जुलाई तक अनधिकृत हिस्सों को हटाने का निर्देश दिया गया। गौरतलब है कि

सार सुर्खियां

प्रधान के इस्तीफे पर यूपी कांग्रेस कार्यालय में जश्न,अजय राय ने नीट छात्रों को मिठाई खिलाई

लखनऊ । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शनिवार को यूपी प्रदेश कार्यालय में नीट छात्रों के साथ नेताओं ने मिलकर जश्न मनाया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने छात्रों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब धर्मेंद्र प्रधान के पूरे कार्यकाल की जांच होनी चाहिए। कांग्रेस आगे भी छात्रों और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी। अजय राय ने कहा कि नीट परीक्षा और पेपर लीक के मुद्दे पर आंदोलित छात्रों के साथ शुरू से कांग्रेस ने समर्थन दिया। हमारे नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य नेताओं ने संसद से लेकर सड़क तक छात्रों की आवाज बुलंद की। इसी दबाव में केंद्र सरकार को आखिरकार शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दिल्ली में आंदोलन कर रहे छात्रों और युवाओं पर पुलिस ने बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज, वाटर कैनन, आंसू गैस और अन्य बल प्रयोग में बड़ी संख्या में छात्र घायल हुए। कांग्रेस ने इस कार्रवाई का लगातार विरोध किया और छात्रों की मांगों का समर्थन किया। अजय राय ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी और अन्य कांग्रेस सांसदों ने भी छात्रों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान कांग्रेस नेताओं के साथ भी पुलिस ने दुर्व्यवहार किया। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष राय ने कहा कि सिर्फ शिक्षा मंत्री का इस्तीफा पर्याप्त नहीं है। उनके पूरे कार्यकाल की जांच होनी चाहिए। पेपर लीक मामले की भी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जिससे भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाएं दोबारा न हों। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से छात्रों और युवाओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक छात्रों की सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, कांग्रेस पार्टी उनके साथ संघर्ष करती रहेगी।

कोर्ट मैरिज का विरोध किया तो वकीलों ने पीटा,बुजुर्ग मां को कुर्सी मारी, बहन से अश्लीलता

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में छोटी बहन को कोर्ट मैरिज करने से रोकना एक परिवार को भारी पड़ गया। सिविल कोर्ट परिसर में वकीलों ने युवक, उसकी मां, बड़ी बहन और दोस्त के साथ मारपीट की। बुजुर्ग मां के सिर पर कुर्सी से हमला कर उन्हें घायल कर दिया, जबकि बड़ी बहन के साथ अश्लील हरकत करने का भी आरोप है। पुलिस ने छह नामजद वकीलों समेत आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाराबंकी के नवाबगंज निवासी पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी छोटी बहन शुक्रवार को लखनऊ निवासी युवक से कोर्ट मैरिज करने वाली थी। बहन के बुलाने पर वह अपनी मां, बड़ी बहन और एक दोस्त के साथ पुराना हाईकोर्ट (अब लखनऊ कोर्ट परिसर) पहुंचा। दोपहर करीब 3 बजे बहन ने फोन कर उन्हें सिविल कोर्ट स्थित एडवोकेट प्रशांत बाजपेई के चौंबर में बुलाया। पीड़ित का आरोप है कि चौंबर में कई एडवोकेट मौजूद थे। उसने छोटी बहन को समझाकर कोर्ट मैरिज करने से मना किया तो एडवोकेट प्रशांत बाजपेई ने क्लाइंट को भड़काने का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते प्रशांत बाजपेई, रवि कनौजिया, आकाश कुमार वर्मा, इस्लामुद्दीन, मोहम्मद आसिफ सौरभ तिवारी समेत अन्य वकीलों ने युवक और उसके दोस्त की पिटाई शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोप है कि रवि कनौजिया ने युवक की बुजुर्ग मां के सिर पर कुर्सी से कई वार किए। सिर और आंख के ऊपर गंभीर चोट लगने से वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गईं।

300 के लिए छोटे भाई को गर्म चिमटे से दागा,दो गिरफ्तार

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के गाजीपुर में महज 300 रुपए के उधार को लेकर बड़े भाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर छोटे भाई की बेरहमी से पिटाई कर दी। आरोपियों ने लात-घूंसों से पीटा और पूरे शरीर पर गर्म चिमटे से दाग दिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। गाजीपुर गांव निवासी सोनू कश्यप ने 24 जुलाई को तहरीर देकर बताया कि उसने अपने बड़े भाई नंद किशोर से 300 रुपए उधार लिए थे। इसी बात को लेकर नंद किशोर ने दीपांशु कश्यप, मोहित कश्यप और एक अन्य साथी बबलू के साथ मिलकर उसकी पिटाई की। आरोप है कि चारों ने उसे लात-घूंसों से मारने के साथ ही गर्म चिमटे से पूरे शरीर पर दाग दिया और जान से मारने का प्रयास किया।

डिप्टी सीएम ने ली स्वयं सहायता समूहों की जानकारी

लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, दोषी अधिकारियों पर होगी कठोर कार्यवाही-केशव

एजेंसी

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन यूपीएसआरएलएम की ग्राम्म्य विकास विभाग के उच्च्चाधिकारियों से कहा कि नवगठित स्वयं सहायता समूहों को सात दिनों के भीतर डिजिटल प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराये जाए तथा एसएमएस के माध्यम से समूह की स्वीकृति एवं अन्य आवश्यक सूचनाएं भी तत्काल भेजी जाएं ताकि समूहों को समय पर योजनाओं का लाभ की जानकारी मिल सके और उनकी कार्यप्रणाली सुचारु रूप से प्रारंभ हो साथ ही मिशन के कार्यक्रमों एवं समूहों की सम्प्पूर्ण जानकारी लेते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता

स्वीकार नहीं की जाएगी। श्री मौर्य ने कहा कि भविष्य में मिशन के अंतर्गत संचालित सभी कार्यों की समीक्षा केवल कागजी अभिलेखों के आधार पर नहीं, बल्कि जियो-टैग फेटो, पोर्टल पर उपलब्ध वास्तविक डेटा तथा धरातलीय साक्ष्यों के आधार पर की जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, स्वयं सहायता समूह गठन की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में समूह गठन की गति को तेज किया जाए तथा जहां भी प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं है, वहां विशेष अभियान चलाकर निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित कराएं प्रदेश के सभी निष्क्रिय एवं शिथिल स्वयं सहायता समूहों को शीघ्र सक्रिय किया जाए तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा समूहों की सखियों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर उन्हें पुन: संचालित करने में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाए।अफसर जिला एवं ब्लाक स्घ्तर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक करें एवं बैठकों में लिए गए निर्णयों और उन पर की गई कार्यवाही से अवगत कराया जाए। प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय की जाए तथा जिन अधिकारियों की कार्यशैली में लापरवाही या उदासीनता पाई जाएगी, उनके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। स्वयं सहायता समूहों के गठन, वित्तीय समावेशन, बैंक ॠण वितरण, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों, महिला उद्यमिता, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। श्री मौर्य ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को इस योजना से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत में बीमा सखी की तैनाती के निर्देश भी दिए, जिससे ग्रामीण परिवारों तक बीमा योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंच सके एवं कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करने के साथ ही प्रेरणा कृषि उपकरण बैंक का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों को इससे जोड़ने पर विशेष बल दिया।

चश्मा और मास्क पहनकर छात्रों के बीच पहुंचीं प्रिया सरोज

एजेंसी

लखनऊ। दिल्ली के जंतर मंतर में छात्रों का आंदोलन जारी है। समाजवादी पार्टी का छात्रों के आंदोलन को पूरा समर्थन है। सपा की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज भी सक्रिय नजर आ रही हैं। इस बीच प्रिया सरोज का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि वह रात 2 बजे जंतर-मंतर पर सांसद नहीं बल्कि एक छात्रा के रूप में पहुंचीं। वीडियो में चश्मा और मास्क पहनकर प्रिया छात्रों के बीच एक छात्रा की तरह जाती हुई नजर आ रही हैं। जिस पर लोग जमकर प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं और उनकी जमकर तारीफकर रहे हैं। इससे पहले प्रिया प्रोटेस्ट के दौरान भी कई बार छात्रों के बीच पहुंच चुकी हैं।प्रिया छात्रों के आंदोलन पर मंच से

छात्रों के प्रोटेस्ट में एक्टिव प्रिया

भी सरकार के खिलाफदहाड़ चुकी हैं। वह छात्रों के बीच पूरा सपोर्ट करती हुई नजर आई थी। सोनम वांगचुक से अस्पताल में मिलने के लिए भी प्रिया ने अस्घ्पताल के बाहर बैठकर काफी इंतजार किया था। तब तक इंतजार करने की बात की थी, जब तक उन्हें सोनम से मिलने नहीं दिया गया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव के साथ भी सरोज हर मुद्दे पर कंधे से कंधा मिलाते हुए नजर आती रहती हैं। जिस वजह से उनकी गिनती सपा की महिला त्रिमूर्ति में होने लगी है। मछलीशहर से सपा सांसद प्रिया सरोज सोशल मीडिया पर भी खासा एक्टिव हैं। नीट परीक्षा पेपर लीक और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर एक माह से जंतर-मंतर पर छात्रों का आंदोलन जारी है। देश भर से युवा इकट्ठा होकर दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्ष समेत कई संगठनों का धरना दे रहे छात्रों को पूरा समर्थन मिल चुका है। इस पूरे प्रोटेस्ट को कॉकरोच जनता पार्टी लीड कर रही है। सरकार और सीजेपी के बीच दो दौर की वार्ता भी हो चुकी है। छात्र शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़े हैं।

बीमा पर राष्ट्रीय सेमिनार,करियर और सुरक्षा पर विशेषज्ञों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

लखनऊ । लखनऊ बीमा संस्थान के सहयोग से शनिवार को सीतापुर रोड स्थित डॉ. एल.पी लाल कॉलेज के सभागार में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का विषय बीमा क्या है, करियर और सुरक्षा था। इसमें देशभर से आए बीमा क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बीमा के महत्व, आर्थिक सुरक्षा और करियर की संभावनाओं की जानकारी दी। सेमिनार का उद्घाटन एलआईसी, मुंबई के कार्यकारी निदेशक सलिल विश्वनाथ और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, चेन्नई के महाप्रबंधक आर.के अरोरा ने दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी देश की मजबूती उसके नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा पर निर्भर करती है। बीमा केवल आर्थिक नुकसान की भरपाई का माध्यम नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में परिवारों को आत्मनिर्भर बनाए रखने का प्रभावी

नाले में मिला युवक का शव,नशे में गिरने की आशंका

एजेंसी

लखनऊ । काकोरी में शनिवार सुबह सड़क किनारे बने नाले में एक युवक का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। शुरुआती जांच में आशंका है कि युवक शराब के नशे में नाले में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस उसकी पहचान और मौत के सही कारण का पता लगाने में जुटी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 7.30 बजे पुलिस को कुसमोरा गांव के नाले में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली। प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शव को नाले से बाहर निकाला गया, जिसकी पहचान 45 वर्षीय संजीत कुमार उर्फ मन्ना, पुत्र स्वर्गीय फक्रीरे गौतम, निवासी ग्राम कुसमोरा, थाना काकोरी के रूप में

हुई। पुलिस ने शव का गहन निरीक्षण किया तो शरीर पर किसी प्रकार के चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले। मृतक की जेब से दो क्वार्टर शराब और 320 रुपये नकद बरामद हुए। परिजनों ने बताया कि संजीत कुमार को मिर्गी के दौरे पड़ते थे और वह शराब पीने के भी आदी थे। शुक्रवार शाम करीब आठ बजे वह घर से निकले थे, लेकिन रातभर वापस नहीं लौटे। शनिवार सुबह उनका शव नाले में मिला। परिजनों ने किसी भी प्रकार की रंजिश या आपराधिक घटना की आशंका व्यक्त नहीं की है। प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि मृतक शराब के नशे में लड़खड़ाते हुए सड़क के समानांतर बने नाले में गिर गया होगा। रात के समय किसी की नजर उस पर नहीं पड़ी, जिससे उसकी जान नहीं बच सकी। उन्होंने बताया कि शव पर किसी प्रकार की बाहरी चोट नहीं मिली है और परिजनों ने भी किसी अपराध की आशंका से इनकार किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का स्पष्ट कारण सामने आएगा।

धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर लखनऊ में जश्न,युवाओं ने प्रदर्शन वाले पोस्टर फाड़े

एजेंसी

लखनऊ । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर लखनऊ के इको गार्डन में जश्न मनाया जा रहा है। यहां ये हजारों युवा प्रदर्शन करने के लिए नगीना सांसद चंद्रशेखर की अगुआई में इकट्ठा हुए थे। सीजेपी की तरह धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। पोस्टरों में तरह-तरह की नारेबाजी लिखकर पहुंचे थे। जैसे ही शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की खबर मिली, सब जश्न मनाने लगे। कई युवाओं ने इको गार्डन में मेलोडी टॉफी बांटी। प्रदर्शन में जो पोस्टर-बैनर शिक्षा मंत्री के खिलाफलेकर पहुंचे थे, उन्हें फाड़ डाले। एक प्रदर्शनकारी युवती ने कहा इतना होली-दिवाली पर खुश नहीं होती हूं, जितना आज इस इस्तीफे से हुई हूं। घर जाकर दावत होगी। इससे पहले ये लोग दोपहर 1 बजे से प्रदर्शन स्थल पर प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होने लगे थे। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाया। नारे लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की खुशी मनाई। नगीना सांसद चंद्रशेखर ने कहा सीएए-एलआरसी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने हमको रातभर पीटा था। हमारे नाखून खींच लिए थे। दांत तोड़ दिया था। रीढ़ में गैप आ गया था। हम पुलिस की बर्बरता को जानते हैं। इसीलिए इस बार छात्रों के लिए धरने पर बैठे थे। हमें उनकी चिंता थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष छात्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने कहा सभी छात्रों को बहुत-बहुत बधाई।

हथियारबंद बदमाशों ने बंधक बनाकर व्यापारी को लूटा

एजेंसी

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की बीच रात करीब 2 बजे घर के अंदर छुपे हथियार बंद बदमाशों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। उन्होंने देर रात लॉकर तोड़ना शुरू किया। आवाज सुनकर परिवार के लोगों की नींद खुल गई। विरोध करने पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में परिवार के 3 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बजरंग चौराहे अमराई गांव निवासी उमेश चंद्र (55) घर में ही परचून की दुकान चलाते हैं। पिछले 3 साल से पत्नी शांति देवी के साथ रह रहे हैं। 3 दिन पहले बेटी सीमा घर आई थी। शुक्रवार रात सभी सदस्य खाना खाकर सो गए। अचानक से तोड़फोड़ की आवाज

आने लगी। जिसकी आवाज सुनकर बेटी सीमा की आंख खुल गई। वह देखने गई तभी बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। बेटी की चीख सुनकर पिता दौड़ते पहुंचे। तभी घात लगाए बैठे बदमाश ने पीछे से उनके सिर पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार किए। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिरे और बेहोश हो गए। पत्नी शांति देवी की भी आंख खुल चुकी थी। उन्होंने शोर मचाने की कोशिश की तभी बदमाश ने उन पर भी हमला कर दिया। वह भी गश खाकर गिर गई। करीब 10 मिनट बाद पत्नी शांति को हल्का होश आया तो वह घर से बाहर निकाल कर शोर मचाना शुरू किया। इस पर मोहल्लेवाले व आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद रहीम नगर में रहने वाले बेटे दीपक गुप्ता व पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के करीब आधे घंटे बाद पुलिस पहुंची। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां तीनों का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। बेटे दीपक का कहना है घटना के बाद से सभी अस्पताल में हैं, लूट कितने की हुई इसका आकलन नहीं किया जा सका है। व्यापारी उमेश का घर बजरंग चौराहे से 100 मीटर आगे ऑन रोड है। इसके बावजूद बदमाशों ने इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया। वहीं पुलिस की गश्ती पर भी सवाल खड़े हुए हैं। सूचना के आधे घंटे बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस ने सभी गंभीर घायल को सरकारी अस्पताल की बजाय निजी अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया। इसके अलावा खुद ही डिटेल नोट करके चले गए न तो मौके से कोई फॉरेंसिक टीम पहुंची न ही डॉग स्क्वाड आया। यहां तक की उच्च अधिकारियों को भी जानकारी नहीं दी। मामले में पीड़ित परिवार का कहना है घर में कितने लोग घुसे थे। इसकी जानकारी नहीं है क्योंकि वह ताबड़तोड़ परिवार पर हमला कर रहे थे।

हालांकि जब उमेश की पत्नी शांति देवी को होश आया तो उन्होंने पीछे के रास्ते दो बदमाशों को भागते देखा लेकिन वह घबराहट की वजह से बाहर की तरफमदद के लिए भाग गई।

बाइक और कंटेनर की आमने-सामने टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल

लखनऊ । सरोजनी नगर में शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कंटेनर और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार उन्नाव निवासी दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, उन्नाव निवासी सचिन (25) और निलेश (26) शुक्रवार रात करीब 2 बजे एक ही बाइक से कानपुर रोड होते हुए आलमबाग से बंथरा की ओर जा रहे थे। सरोजनी नगर में कानपुर रोड के शहीद पथ तिराहे पर नादरगंज की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने दोनों घायल युवकों को तत्काल लोक बंधु अस्पताल पहुँचाया। उनका इलाज जारी है। टक्कर मारने के बाद कंटेनर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

ई-रिक्शा सवार से लूट का खुलासा,तीन आरोपी गिरफ्तार

हरदोई। हरदोई कोतवाली देहात पुलिस ने ई-रिक्शा सवार से हुई लूट का खुलासा 25 जुलाई शनिवार शाम 5 बजे कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, बवन चुंगी निवासी वीरेंद्र सिंह ने 24 जुलाई को कोतवाली देहात में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 22 जुलाई को ई-रिक्शा से जाते समय चौपाल सागर के पास मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया था। शिकायत के आधार पर कोतवाली देहात थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने इसमें धारा 3(5) और 317(2) बीएनएस की बढ़ाई थी। मामले के खुलासे के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया था। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान अटवा असिगांव, थाना कोतवाली देहात निवासी राजा (पुत्र स्व. राघवेंद्र सिंह), आकाश (पुत्र धर्मपाल) और कृष्णा शंकर (पुत्र राजाराम) के रूप में हुई है।

24वें जन्मदिन पर छात्र नेता सूरज चौरसिया ने किया पौधरोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अभय पाण्डेय

कुशीनगर। छात्र नेता सूरज चौरसिया ने अपने 24वें जन्मदिन को यादगार और समाजोपयोगी बनाने के उद्देश्य से रविवार को फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पौधरोपण कार्यक्रम पड़ोसी राज्य बिहार के गोपालगंज जनपद स्थित सती हिरमती महारानी मंदिर परिसर तथा कुशीनगर जनपद के समउर बाजार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सूरज चौरसिया ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का भी अवसर है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सूरज चौरसिया को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनके इस पर्यावरण संरक्षण अभियान की सराहना की। इस अवसर पर पवन मिश्रा, उत्कर्ष मिश्रा, सुमंत वर्मा, चेतन गुप्ता, अमन तिवारी, कृष्ण प्रसाद सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात बाइक की टक्कर,स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

बांदा। अतर्रा तहसील क्षेत्र में एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए दुर्गावती मेडिकल कॉलेज, बांदा रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, अतर्रा कस्बा निवासी प्रदीप (23) पुत्र वीरेंद्र बाजार से अपनी स्कूटी से घर लौट रहा था। यह घटना डिग्री कॉलेज के पास हुई। इसी दौरान एक अज्ञात बाइक ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल प्रदीप को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अतर्रा पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

इस अवसर पर सपा नेता रामजी यादव सहित लोहिया वाहिनी के अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

बच्चों में पेट दर्द के मामले बढ़े खान-पान पर ध्यान देना जरूरी

पडरौना। कभी धूप तो कभी बारिश का सीधा असर बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। मौसम में बदलाव से बच्चों में पेट दर्द, उल्टी और दस्त के मामले बढ़ गए हैं। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में रोजाना 30-40 बच्चे पेट की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि इसकी मुख्य वजह बाहर का फास्ट फूड, बासी खाना और दूषित पानी है। बरसात में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं इसलिए इस मौसम में खान-पान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। मेडिकल कॉलेज की बाल रोग ओपीडी में पिछले एक हफ्ते में पेट दर्द के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। बाल रोग विभाग के एचओडी डॉ. सप्तऋषि भट्टाचार्य ने बताया कि रोजाना 35-40 बच्चे पेट दर्द, उल्टी, दस्त और बुखार लेकर आ रहे हैं। जांच में ज्यादातर मामलों में फूड प्वाइजनिंग और वायरल गैस्ट्रोइंटराइटिस निकला है। उन्होंने बताया कि बारिश में नमी और गर्मी के कारण खाना जल्दी खराब होता है। सड़क किनारे बिकने वाले चाउमिन, मोमोज, गोलगप्पे और कटलेट में गंदा पानी और तेल इस्तेमाल होता है। इसी से ई-कोली और रोटा वायरस का संक्रमण हो जाता है। उन्होंने बताया कि तेज पेट दर्द और मरोड़, बार-बार उल्टी-दस्त, बुखार, कमजोरी और भूख न लगने जैसी दिक्कत हो तो तत्काल डॉक्टर से सलाह लेकर ही दवा लें।

136 विद्यालयों की हुई जांच 12 शिक्षाकर्मी अनुपस्थित

पडरौना। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति और शैक्षणिक व्यवस्था परखने के लिए शुक्रवार को बेसिक शिक्षा विभाग ने क्रॉस चेकिंग अभियान चलाया। 136 विद्यालयों की जांच की गई। इस दौरान 12 शिक्षाकर्मी बिना अनुमति के अनुपस्थित मिले। इनमें एक अनुदेशक, चार सहायक अध्यापक और सात शिक्षामित्र शामिल हैं। अनुपस्थित सभी शिक्षाकर्मियों का एक दिन का वेतन रोकते हुए उनसे स्पष्टीकरण तलब किया गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। बीएसए अनिल सिंह ने बताया कि विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्रॉस चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीएसए की इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। विभाग का कहना है कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए औचक निरीक्षण किए जाते रहेंगे।

मुसहर समाज की पट्टे की जमीन भी चहेतों को दे दी

कुशीनगर तमकुहीराज। सरकारी जमीन पर नाम दर्ज कराने वाले गिरोह ने मुसहर समाज को भी नहीं बख्शा है। जालसाजों ने मुसहर समाज के 17 लोगों को आवंटित पट्टे की जमीन पर अपने चहेतों व करीबियों का नाम दर्ज करा दिया। कई दशकों पुराने फर्जी परवाना व आदेश का हवाला देकर मालिकान रजिस्टर में नाम दर्ज करा लिया। सरकारी जमीन के फर्जीवाड़े के खेल में तहसील के विभिन्न पटलों पर काम करने वाले कुछ निजी मुंशियों व जिले के अभिलेखागार में तैनात कुछ कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। तहसील क्षेत्र के बांसगांव निवासी शिवशंकर कुशवाहा नगर पंचायत दुदही समेत रामपुर बरहन, धोकरहा, बांसगांव, बड़हरा, व पडरौन मडुरही स्थित नवीन परती, बंजर व खलिहान आदि के सैकड़ों एकड़ सरकारी भूमि की फर्जी खतौनी जारी करने की शिकायत डीएम से की। जांच में करीब 10 एकड़ जमीन पर फर्जी परवाना इंद्राज व आदेश पर अलग-अलग अवधि में लोगों के नाम दर्ज होने की पुष्टि हुई। इसके बाद 10 नामजद व 30 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इसकी जांच पुलिस व प्रशासन की गठित टीमें कर रही हैं। मामले में फर्जीवाड़ा गिरोह ने सरकार की प्राथमिकता में शामिल मुसहर समाज के लोगों को भी नहीं बख्शा।

फाजिलनगर में जाम... एंबुलेंस फंसी, खतरे में जान

संवाददाता

गुरवलिया बाजार। फाजिलनगर में निर्माणाधीन फ्लाईओवर के चलते हाईवे पर यातायात व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। शनिवार को ओवरब्रिज से मालवाहक गुजरने के दौरान लंबा जाम लग गया। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे एंबुलेंस वाहन, यात्रियों और व्यापारियों को दुश्वारियां झेलनी पड़ीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी व जिम्मेदार विभाग ने सुगम यातायात संचालन व सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए हैं।

फ्लाईओवर निर्माण के चलते एक ही लेन दोनों तरफ से वाहन आ-जा रहे हैं। संकरे मार्ग पर निर्माण सामग्री से लदे ट्रक भी कतार में खड़े रहते हैं। ऐसे में जैसे ही कोई मालवाहक वाहन ओवरब्रिज के नीचे से गुजरता है, पूरी यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है और जाम लग जाता है। गौरतलब है कि फाजिलनगर से होकर प्रतिदिन बिहार और कुशीनगर के करीब 100 से अधिक एंबुलेंस गोरखपुर एम्स व दूसरे अस्पतालों तक आते-जाते हैं। जाम लगने से गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। कई बार एंबुलेंस भी सामान्य वाहनों के बीच फंसकर रेंगने लगते हैं। फाजिलनगर पूर्वांचल और बिहार को जोड़ने वाला प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। रज्जब पिपरा से लेकर छोटी ओवरब्रिज तक जाम लग रहा है। ऑटो व ई रिक्शा के अवैध स्टैंड से दिक्कत हो रही है ।लगातार जाम लगने से बाजार आने वाले ग्राहकों की संख्या प्रभावित हो रही है। माल ढुलाई में देरी होने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल पर न तो पर्याप्त ट्रैफिक

अपहरण के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार तमकुहीराज पुलिस की बड़ी कार्यवाही

अभय पाण्डेय

कुशीनगर। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना तमकुहीराज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अपहरण के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, मु0अ0सं0 96/2026 में धारा 137(2) एवं 87 बीएनएस के तहत दर्ज मुकदमे में वांछित अभियुक्त हाफिज मुर्शीद पुत्र खलील, निवासी बोधराई, थाना लखनऊ, जिला मधुबनी (बिहार) को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को माननीय न्यायालय, श्रीनगर के समक्ष प्रस्तुत कर ट्रांजिट रिमांड पर कुशीनगर लाया गया। इसके उपरांत रविवार, 19 जुलाई 2026 को उसे माननीय न्यायालय, कुशीनगर के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार

यादव (चौकी प्रभारी समउर, थाना तमकुहीराज), हेड कांस्टेबल सूर्यकांत सिंह, कांस्टेबल राकेश सिंह यादव तथा महिला कांस्टेबल नेहा कन्नौजिया शामिल रहे। तमकुहीराज पुलिस की इस कार्रवाई को जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

सावन को लेकर गुलजार हुआ फूलों का बाजार, मिलने लगे ऑर्डर

पडरौना। सावन महीने में मांग बढ़ने से फूल बाजार गुलजार होने लगा है। शिव भक्तों की भीड़ और मंदिरों में रोजाना होने वाले रुद्राभिषेक के लिए दुकानदार गेंदा, गुलाब, बेला और मोगरा फूल के आर्डर देने में जुटे हैं। शहर के दुकानदार बनारस और गोरखपुर से थोक में फूलों का आर्डर कर रहे हैं ताकि पूजा के लिए फूलों की कमी न हो। पडरौना के फूल मंडी और मंदिरों के आसपास लगी दुकानों में सुबह से ही चहल-पहल है। सावन में सोमवार को जलाभिषेक और रोजाना रुद्राभिषेक के कारण शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। इसके साथ ही घरों में भी शिवलिंग पर फूल चढ़ाने की परंपरा है। फूल विक्रेता संजय साहनी ने बताया कि स्थानीय स्तर पर फूलों की खेती नहीं होती है। इसलिए बनारस से मोगरा और बेला, गोरखपुर से गेंदा और गुलाब का आर्डर किया है। हर दिन सुबह चार बजे गाड़ी आ जाती है। फूल व्यापारी लल्लन साहनी ने बताया कि सावन में रोजाना 150-200 किलो गेंदा बिक जाता है।

ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित, महिला घायल दाह संस्कार से लौटते समय हादसा

संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन के कोंच क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 1.30 बजे एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक महिला घायल हो गईं। यह दुर्घटना लहचूरा और खनुआ गांव के बीच स्थित एक ब्रेकर पर हुई, जहां बाइक अचानक अनियंत्रित होकर गिर गई। घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोंच में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, घायल महिला की पहचान रामरती (55) के रूप में हुई है, जो लोटन मिस्त्री की पत्नी और समथर के अटा साकिन की निवासी हैं। वह अपने पुत्र सुरेंद्र (25) के साथ मोटरसाइकिल से जालौन के ग्राम राजा सीकरी में रिश्तेदारी में गई थीं। वे अपनी बुआ सास के दाह संस्कार में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। लहचूरा और खनुआ के बीच सड़क पर बने ब्रेकर से गुजरते समय

बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर गिर गई।

इस हादसे में रामरती सड़क पर गिरने से घायल हो गईं। हालांकि, बाइक चला रहा उनका पुत्र सुरेंद्र सुरक्षित बताया जा रहा है। संयोगवश, उनके पीछे अन्य रिश्तेदार भी आ रहे थे, जिन्होंने तुरंत घायल महिला को संभाला। रिश्तेदारों ने निजी वाहन की सहायता से रामरती को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के अनुसार, रामरती की हालत फिलहाल स्थिर है और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने वाहन चालकों से ब्रेकर के पास गति नियंत्रित रखने और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

महिला से दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी पर केस दर्ज

संवाददाता

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र में एक महिला से दुष्कर्म के प्रयास और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के अनुसार, 27 जून 2026 को दोपहर करीब तीन बजे वह अपने घर से दसिया बाजार जा रही थी। रास्ते में बसौखा गांव के पास सुनसान स्थान पर पहले से मौजूद आमिर खान ने उसे रोक लिया। आरोप है कि आरोपी ने महिला का हाथ पकड़कर अशोभनीय हरकत की।

विरोध करने पर वह उसे जबरन खेत की झाड़ियों की ओर ले गया और दुष्कर्म का प्रयास किया। महिला के शोर मचाने पर आरोपी ने उसके साथ थप्पड़, लात और मुक्कों से मारपीट की। इसके बाद उसने पीड़िता और उसके परिवार को जान

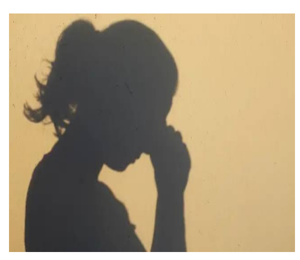

से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर 23 जुलाई 2026 की रात रुधौली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी की पहचान बसौखा गांव निवासी करीब 30 वर्षीय आमिर खान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

भाजपा संत रविदास की 650वीं जयंती मनाएगी

संवाददाता

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती को व्यापक स्तर पर मनाने के लिए जिले में समरसता संकल्प अभियान चलाने की घोषणा की है। यह अभियान 29 जुलाई 2026 से शुरू होकर 20 फरवरी 2027 तक विभिन्न चरणों में संचालित होगा। अभियान की रूपरेखा तय करने के लिए शनिवार को दोपहर 1 बजे भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री अभिषेक कुमार ने किया। जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने संत रविदास के प्रसिद्ध दोहे ष्ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिलै सबन को अन्न... का उल्लेख करते हुए बताया कि उनका जीवन सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश देता है। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के तहत जिले के सभी

रविदास मंदिरों और मठों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। भाजपा नेताओं के अनुसार, 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मंदिरों की साफ-सफाई की जाएगी। इसके साथ ही संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रत्येक मंडल से रविदास मंदिरों तक भव्य कलश यात्राएं भी निकाली जाएंगी। 29 जुलाई से 14 अगस्त के बीच जिले के विभिन्न स्थानों पर सामाजिक समरसता और भक्ति भाव से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास ने ष्कर्म ही सच्ची पूजा हैष् और ष्मन चंगा तो कठौती में गंगाष् जैसे संदेशों के माध्यम से समाज को समानता और सद्भाव का मार्ग दिखाया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रवि सोनकर, ब्लॉक प्रमुख जटाशंकर शुक्ल, योगेंद्र सिंह, राकेश श्रीवास्तव, रामायण सिंह सहित कई नेताओं ने अपने विचार रखे। बैठक में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या मौजूद रही।

झूठी निकली लूट की सूचना, पांच को भेजा जेल

बनकटा बाजार। चौराखास पुलिस ने थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के लूट की झूठी सूचना के मामले का पर्दाफाश किया है। जांच में सामने आया कि सूचना मारपीट के एक मामले में आरोपियों को फंसाने के लिए दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि बीते 22 जुलाई को कोइलसवा बुजुर्ग निवासी अभिषेक गुप्ता ने सूचना दी कि बलियवा मुसहरी टोला के पास बाइक सवार चार युवकों ने उन्हें रोककर मारपीट और लूटपाट की। मामले में पुलिस ने जांच शुरू की तो प्रारंभिक पूछताछ और जांच में घटनाक्रम की सच्चाई सामने आने लगी। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि करीब दो महीने पहले अभिषेक गुप्ता ने अपनी भाभी कविता गुप्ता के साथ घरेलू विवाद को लेकर मारपीट की थी। इस घटना की जानकारी कविता के मामा के बेटे सिंटू गुप्ता को हुई।

एनकाउंटर के बाद 3 अंतरजनपदीय चोर गिरफ्तार,2 के पैर में लगी गोली

संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन पुलिस ने थाना रामपुरा क्षेत्र में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जबकि तीसरे आरोपी ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। आरोपियों के कब्जे से अवैध असलहे, जिंदा और खोखा कारतूस, चोरी के आभूषण, नकदी, चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार, मोबाइल फोन और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि थाना रामपुरा क्षेत्र के ग्राम मई निवासी कन्हई सिंह के घर में 16-17 मई 2026 की रात अज्ञात चोरों ने नकदी और जेवरात चोरी कर लिए थे। पीड़ित की तहरीर पर थाना रामपुरा में बीएनएस की

संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

घटना के खुलासे के लिए थाना रामपुरा पुलिस और स्वाट-सर्विलांस टीम को लगाया गया था। शुक्रवार देर शाम संयुक्त पुलिस टीम चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान संदिग्ध बाइक सवार बदमाश दिखाई दिए। पुलिस के रुकने के इशारे पर आरोपियों ने भागने की कोशिश की। पीछा किए जाने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फ ायरिंग की, जिसमें दो बदमाश घायल हो गए। मुठभेड़ में बृजेन्द्र राजपूत पुत्र मथुरा प्रसाद निवासी बिलगांव परिया डेरा, थाना जलालपुर (हमीरपुर) और विवेक राजपूत उर्फ इक्का पुत्र मुन्ना राजपूत निवासी खड़ेही लोधन, थाना मुस्करा (हमीरपुर) के पैर में गोली लगी। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

मेडिकल कॉलेज में अव्यवस्था बेलगाम, जांच-इलाज के लिए लंबी दौड़

संवाददाता

पडरौना। मेडिकल कॉलेज में बेलगाम अव्यवस्था के चलते मरीजों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। पर्ची काउंटर, ओपीडी और दवा काउंटर तक हर जगह लंबी कतारें लग रही हैं। मरीजों की भीढ़ के आगे जगह कम पड़ रही है। पर्चा बनवाने से लेकर डॉक्टर को दिखाने तक मरीजों को घंटों खड़े इंतजार करना पड़ रहा है। मर्ज की जांच कराने के लिए उन्हें दूसरे दिन पड़ता है और दोबारा मशक्कत करनी पड़ रही है। मेडिकल कॉलेज में मरीजों की भीड़ के आगे जगह और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को परेशानी का कारण बताया जा रहा है। यही नहीं, कई डॉक्टरों के समय से ओपीडी में नहीं बैठने की वजह से मरीजों का इंतजार और बढ़ जाता है। डॉक्टर को दिखाने में ही इतना समय लग जा रहा है कि जब मरीज दवा काउंटर पर पहुंचता हैं वहां भी उन्हें लाइन में इंतजार करना पड़ता है। असली दुश्वारी तब शुरू होती है जब डॉक्टर कोई जांच लिख देते हैं। पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी की अव्यवस्था के चलते जांच कराने के लिए मरीज को अगले दिन फिर से लंबी दूरी तय कर अस्पताल आना पड़ता है। दूर-दराज से आने वाले मरीज बीमारी से ज्यादा भाग-दौड़ से बेहाल हो रहे हैं। ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज की उम्मीद लेकर मेडिकल कॉलेज में पहुंचते हैं। अस्पताल की दहलीज पर कदम रखते ही उन्हें अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। पर्ची काउंटर से शुरू हुआ इंतजार का सिलसिला डॉक्टर के चैंबर और फिर दवा काउंटर तक खत्म होने का नाम नहीं लेता। मेडिकल कॉलेज के प्रथम तल पर ओपीडी है। डॉक्टर को दिखाने के लिए मरीज या तीमारदार पहले पर्ची बनवाने पहुंचते हैं। यहां चार पर्ची काउंटर हैं। मरीजों की भीड़ के सामने पर्ची काउंटर पर जगह कम पड़ जाती है। पर्ची बनवाने में ही घंटे भर का समय लग जाता है। इसके बाद मरीज ओपीडी कक्ष में पहुंचते हैं। वहां डॉक्टरों की लापरवाही मरीजों की बीमारी को और बढ़ा देते हैं। लोगों का कहना है कि ओपीडी में डॉक्टर समय से नहीं बैठते हैं। शुरुआत में कुछ मरीजों को देखने के बाद जूनियर डॉक्टरों के भरोसे छोड़कर विशेषज्ञ डॉक्टर चले जाते हैं। देर से पहुंचने वाले मरीजों को जूनियर डॉक्टर से ही दिखाना पड़ता है। दवा काउंटर पर भी मरीजों की मुश्किलें कम नहीं होती हैं। दवा वितरण के लिए बनाए गए चार काउंटर में दो से तीन काउंटर ही सक्रिय रहते हैं। दवा लेने के लिए मरीजों को घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। वहीं इमरजेंसी वार्ड में आए मरीजों को भी अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी उन मरीजों को झेलनी पड़ रही है, जिन्हें डॉक्टर जांच (पैथोलॉजी व एक्स-रे) लिख देते हैं। दोपहर तक कतार में लगकर डॉक्टर को दिखाने के बाद उसी दिन जांच मुमकिन नहीं हो पाती। ऐसे में मरीजों को अगले दिन फिर से अस्पताल पहुंचना पड़ता है।

पूर्वांचल की विरासत
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
आर डी प्रिंटर्स एन्ड पब्लिसर्स प्रा. ली, बी48 सेक्टर 8 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रीत कराकर श्री शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय भठहीं खुर्द थाना चौरा खास जिला कुशीनगर से प्रकाशित
प्रधान सम्पादक
सुभाष प्रसाद त्रिपाठी
सम्पादकीय कार्यालय
शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्याल भठहीं खुर्द थाना चौरा खास जनपद कुशीनगर, उत्तर प्रदेश
मो० 9454623444
9839554645
RNI NoUPHIN/26/A4139
समस्त विवादो का न्याय जनपद कुशीनगर में होगा ।

सम्पादकीय

छोटे परिवार, बड़े संकट

देश के बहुचर्चित 'हनीमून मर्डर' केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में 'तलाक' के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है। हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। निर्मम हत्या करने वाली महिला के पति व मंगेतरों के पास प्रतिष्ठा, अचल संपत्ति व बैंक बैलेंस की कोई कमी नहीं थी। निस्संदेह, धन-सपंदा व भारी चमक-दमक से जीवन का सुख नहीं खरीदा जा सकता। संत कबीरदास ने सदियों पहले कह दिया था कि3 जब आए संतोष धन सब धन धूरि समान। तभी तो तमाम समृद्धि व विलासिता के साधनों के बावजूद लोग खुश नहीं हैं। ऐसे में घातक कदम उठाने वाले महिलाओं व पुरुषों की परवरिश में भी कहीं न कहीं कोई कमी जरूर रह गई है। पहले साझे परिवारों में दादा-दादी या नाना-नानी, अपने जीवन के कठिन अनुभवों व नफे-नुकसान से हासिल ज्ञान से बेटे-बेटियों व पोते-पोतियों को सीख देते थे। जीवन मूल्यों की कहानियां सुनाया करते थे। संयुक्त परिवार में माता-पिता को किसी अप्रत्याशित झटके झेलने वाला सुरक्षा कवच माना जाता था। दुख-दर्द का मुकाबला साझे रूप में करने से वह कम महसूस होता था। घर की सुरक्षा बनी रहती थी। बूढ़ी मां भले ही शारीरिक रूप से अक्षम होती, लेकिन भरोसा बना रहता था कि घर में मां तो है। पिता तो हैं। अब जब पति-पत्नी असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिये काम पर चले जाते हैं तो घर किसके सहारे रहे? बच्चा किसके भरोसे रहे? कामवाली के? जो चंद पैसों के लिये घर में काम करने आती है। जो वहां आकर अपने घर के अभावों व दुख की तुलना इस घर की समृद्धि से करती है। वही घर के बच्चे की देखभाल के साथ अपने संस्कार भी देती है।

बूढ़ी काकी कहानी की सीख क्या है?

बाबा मायाराम

इस माह की 31 जुलाई को प्रसिद्ध उपन्यासकार और कहानीकार प्रेमचंद की जयंती है। उनकी कहानियां बचपन से हम पढ़ते आ रहे हैं। उनका जन्म गांव में हुआ, वहां पढ़े-बढ़े, मास्टरी की, गांव और समाज को देखा। गांवों में रहे, उनके दुख-दर्द से जुड़े, उसे महसूस किया और उन पर कहानियों व उपन्यासों की रचना की। इस कॉलम में उनकी बुजुर्गों पर एक कहानी श्बूढ़ी कहानीश् व उनके जीवनी पर नजर डालना चाहूंगा, जिससे उनके लेखन व व्यक्तित्व की झलक मिल सके। यह तो सभी जानते हैं कि उनका जन्म 31 जुलाई, 1880 को बनारस के पास लमही गांव में हुआ था। बचपन में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया। घर की जिम्मेदारियों के साथ पढ़ाई की, और शिक्षक की नौकरी की। नौकरी के बाद भी पढ़ाई जारी रखी। बाद में शिक्षा विभाग में स्कूलों का मुआयना करने वाले अधिकारी(इंस्पेक्टर) पद पर नियुक्त हुए। राष्ट्रीय आंदोलन से प्रभावित हुए। गांधी और टालस्टाय का प्रभाव रहा। इसलिए नौकरी छोड़ कर पूरी तरह लेखन करने लगे। कहानियां, उपन्यास, स्तंभ, लेख लिखे। उनकी कई कहानियां बहुत ही प्रसिद्ध हैं। उनका जीवन सीधा सादा था। उन्होंने अपने जीवन के बारे में लिखा है कि मेरा जीवन सपाट, समतल मैदान है, जिसमें कहीं-कहीं गड्ढे तो हैं, पर टीलों, पर्वतों, घने जंगलों, गहरी घाटियों और खंडहरों का स्थान नहीं।

> उनके बेटे और साहित्यकार अमृतराय ने उनकी जीवन कलम के सिपाही में बतलाया है कि प्रेमचंद के लिए लिखने के क्या मायने हैं। जैसे खाना-पीना, सोना जागना, जिंदगी के और सब काम बिना नागा होते हैं, तब लिखने के काम में नागा क्यों हो? प्रेमचंद ने हमारे गांव, समाज, किसान को नजदीकी से देखा। गांव में उनका जन्म ही हुआ, वे पलेकृबढ़े भी वहीं, पर बाद में नौकरी के दौरान कई गांवों में जाने का मौका मिला। वहां के दुख-दर्द को महसूस किया, उस पर लिखा, बल्कि खूब लिखा। बल्कि वे एक किसान की ही तरह थे, किसान कुदाल चलाता है, और वे कलम चलाते थे। एक जगह वे किसानों के बारे में लिखते हैं कि शुरू से ही मैं उन्हीं के बीच रहा, पला, बढ़ा। उठाकृबैठा, बोला बतियाया। खुद हल नहीं जोता तो क्या, उनका राई रत्ती तो जानता हूं। क्या खाते हैं, क्या पहनते हैं। क्या ओढ़ते हैं, क्या सोचते हैं, क्या कहते

उनके बेटे और साहित्यकार अमृतराय ने उनकी जीवन कलम के सिपाही में बतलाया है कि प्रेमचंद के लिए लिखने के क्या मायने हैं। जैसे खाना-पीना, सोना जागना, जिंदगी के और सब काम बिना नागा होते हैं, तब लिखने के काम में नागा क्यों हो? प्रेमचंद ने हमारे गांव, समाज, किसान को नजदीकी से देखा। गांव में उनका जन्म ही हुआ, वे पलेकृबढ़े भी वहीं, पर बाद में नौकरी के दौरान कई गांवों में जाने का मौका मिला। वहां के दुख-दर्द को महसूस किया, उस पर लिखा, बल्कि खूब लिखा। बल्कि वे एक किसान की ही तरह थे, किसान कुदाल चलाता है, और वे कलम चलाते थे। एक जगह वे किसानों के बारे में लिखते हैं कि शुरू से ही मैं उन्हीं के बीच रहा, पला, बढ़ा। उठाकृबैठा, बोला बतियाया। खुद हल नहीं जोता तो क्या, उनका राई रत्ती तो जानता हूं। क्या खाते हैं, क्या पहनते हैं। क्या ओढ़ते हैं, क्या सोचते हैं, क्या कहते हैं, सब तो मैंने देखा है, सुना है। प्रेमचंद की कहानियां हम स्कूल के दिनों से पढ़ते आ रहे हैं। नमक का दरोगा, ईदगाह, पंच परमेश्वर, बूढ़ी काकी इत्यादि। इसके बाद उनके उपन्यास व अन्य कहानियां भी पढ़ी। इनमें खेत, किसान, और गांव से जुड़ी कई कहानियां का सजीव वर्णन है। जब कभी भी मैं गांव जाता हूं, प्रेमचंद की कहानियों के पात्र याद आ जाते हैं। अगर हम प्रेमचंद की बुजुर्गों की उपेक्षा पर बूढ़ी काकी की कहानी की बात करें तो उसमें एक बुजुर्ग महिला, जिसे कहानी में बूढ़ी काकी कहा गया है, उनके भतीजे बुद्धिराम को अपनी सारी संपत्ति लिख देती है। क्योंकि उनके पति व बेटे की मौत हो जाती है। लेकिन उसकी उचित देखभाल तो दूर उसे दुत्कार, उपेक्षा व प्रताड़ना सहना पड़ता है। बुद्धिराम खुद व उसकी पत्नी रूपा उन्हें बार-बार प्रताड़ित करते हैं, उस पर अत्याचार करते हैं। लेकिन इस दंपति की छोटी लड़की लाड़ली को काकी से प्रेम था। वह उनके पास बैठती थी, उसे बातें करती थी। वह काकी की भी दुलारी थी। एक दिन बुद्धिराम के बड़े बेटे का तिलक था। घर में मेहमान आए थे। पकवान बन रहे थे। पूड़ी-कचौड़ियां निकल रही थीं। मसालेदार तरकारी पक रही थी। मसालें की सुगंध चारों तरफफैल रही थी। बूढ़ी काकी एक कोठरी में रहती थी।

उसे भी भूख लगी थी। उससे रहा न गया और वह सरक कर चूल्हे के पास आ गई। यह देखकर रूपा ने काकी को झिड़कियां दीं। और भला-बुरा कहा। काकी वापस कोठरी में चली गईं। इसी प्रकार एक बार और आई, इसके बाद रूपा के पति ने उसे पकड़कर कोठरी में पटक कर आ गए। जब सब मेहमान चले गए। लाड़ली, जो दंपति की छोटी बेटी थी, उसे काकी की याद थी, वह जानती थी कि उसने खाना नहीं खाया, वह उसके भोजन में रोटी बचाकर काकी को लाकर देती है, पर काकी का उनसे पेट नहीं भरता। वह उससे कहती है कि उसे जूठी पत्तलों के पास लेकर चल, लाड़ली उनका आशय न समझकर वहां ले जाती है। काकी पत्तलों को चाटने लगती है। वह पूड़ियों के टुकड़े उठाकर खाती है। इसी समय रूपा की नींद खुल जाती है। वह यह दृश्य देखकर सन्न रह जाती है। करूणा से भर जाती है। और उसे अपने किए पर पश्चाताप होता है। और उसे भरपेट भोजन खिलाती है। आज भी समाज में कई बुजुर्गों को उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। मैं कई बुजुर्गों से बात करते रहता हूं, और कुछ वृद्धा आश्रमों में गया हूं। संयुक्त परिवारों में अब बुजुर्गों का वैसा सम्मान नहीं होता, जैसा पहले कभी होता था। उनकी उपेक्षा होती है। जबकि बच्चों के अच्छे पालन-पोषण में बुजुर्गों की अच्छी भूमिका होती है। परवरिश अच्छी होती है। बचपन में बुजुर्गों से सुनी कहानियां व उनके साथ बिताए पल सदैव ही याद रहते हैं। बुजुर्ग न केवल जीवन के अनुभव बताते हैं, बल्कि कई हुनर भी सिखाते हैं, जिनसे जिंदगी चलती है। वे कम चीजों में रहना सिखाते हैं, उन्हें बापरना सिखाते हैं। प्रकृति के साथ सामंजस्य कर जीना सिखाते हैं। वे मौखिक व परंपरागत ज्ञान के भंडार हैं। जीवन की खुली किताब हैं। उनसे बहुत ही सीखा जा सकता है। उनकी छांव में रहना सुकून व शांति देता है। जीवन की कठिनाईयों, चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। हिम्मत देता है। इसी तरह प्रेमचंद की किसान, गांव और समाज पर ढेरों कहानियां हैं। जिनमें समाज की कुरीतियां, अभाव, गरीबी झलकती है। इनसे लड़ने की प्रेरणा भी है। जीने की जिजीविषा भी, संघर्ष भी है। कुल मिलाकर, प्रेमचंद ने जो देखा, जो महसूस किया, वह लिखा, वह आज भी प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज की समस्याएं, कुरीतियों, देश की गुलामी, राष्ट्रीय आंदोलन सब लिखा, कहानियों व उपन्यासों के माध्यम से रचनात्मक ढंग से कलम चलाई। बूढ़ी काकी ने न केवल बुजुर्गों की उपेक्षा को दर्शाया है, बल्कि करूणा और प्रेम को जगाया है, बुजुर्गों के प्रति सम्मान व संवेदनशीलता दिखाना चाहिए, जिसकी आज भी उस समय से ज्यादा जरूरत है। क्या हम प्रेमचंद की कहानियां से कुछ सीख लेना चाहेंगे?

तेल संकटों का प्रभाव कम हुआ, लेकिन नजरअंदाज नहीं किए जा सकते

नौरियल रौबिनी

पश्चिमी एशियाई खाड़ी क्षेत्र अस्थिरता और असंतुलन की स्थिति में हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए कोई स्थायी समझौता नहीं हो पाया है क्योंकि अमरीका और ईरान की मांगें अभी भी एक-दूसरे से बहुत अलग हैं। इस नवंबर में होने वाले अमरीका में मध्यावधि चुनावों से पहले ईरान के पास अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तुलना में अधिक प्रभाव है। पूर्ण समझौते के अभाव में, झड़पों की संभावना बहुत अधिक है, जो पूर्ण युद्ध की ओर लौटने के बढ़ते खतरे में परिलक्षित होती है। फिर भी, इस उम्मीद पर शेयर बाजारों में तेजी आई कि अस्थायी युद्धविराम से पूर्ण समझौता हो जाएगा और तनाव में हालिया वृद्धि पर बाजारों की प्रतिक्रिया संयमित रही। विकास और मुद्रास्फीति के लिहाज से समग्र आर्थिक प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहा है। वैश्विक तेल आपूर्ति में अब तक की सबसे बड़ी बाधा होने के बावजूद,1970 के दशक के तेल संकटों का प्रभाव कहीं अधिक था। ईरान की रणनीति तेल के शस्त्रीकरण पर केंद्रित है, जो एक लंबा इतिहास रहा है। कुछ इतिहासकार तर्क देते हैं कि प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी की हार का एक कारण यह था कि मित्र देशों द्वारा लगाई गई समुद्री नाकाबंदी से उसे तेल नहीं मिल पा रहा था। इसी प्रकार, जापान ने पर्ल हार्बर में अमरीकी बेड़े पर हमला करने का घातक निर्णय इसलिए लिया क्योंकि अमरीकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट के प्रशासन ने चीन पर आक्रमण करने के कारण उस पर तेल प्रतिबंध लगा दिया था,और स्टालिन ने बाद में दावा किया कि नाजियों की द्वितीय विश्व युद्ध में हार इसलिए हुई क्योंकि सोवियत संघ ने धुरी शक्तियों को काकेशस में तेल क्षेत्रों पर कब्जा करने से रोक दिया था। 1970 के दशक के बाद, ओपेक उत्पादक देशों ने महसूस किया कि तेल का हथियार के रूप में इस्तेमाल करना उल्टा पड़ सकता है। तेल की कीमतों में इतना बड़ा उछाल जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति और आर्थिक संकट पैदा हो जाए अंततरू तेल की मांग और कीमतों में भारी गिरावट का कारण बनेगा जैसा कि 1981-82 में हुआ था। इसलिए सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों जैसे कुछ जिम्मेदार देश भू-राजनीतिक झटकों के कारण तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि होने पर आपूर्ति बढ़ाने के लिए तैयार और सक्षम रहे हैं। इसके अलावा 1970 के दशक से ऊर्जा दक्षता में हुई प्रगति के कारण उत्पादन और उपभोग में आयातित तेल का हिस्सा कम होता जा रहा है। ओपेक की बाजार शक्ति में गिरावट आई है क्योंकि इसके सदस्यों ने एकजुट होकर आगे बढने की आवश्यकता की बजाय अपने हितों को प्राथमिकता दी है (संयुक्त अरब अमीरात हाल ही में इससे अलग हुआ है) और आपूर्ति के नए स्रोत सामने आए हैं, विशेष रूप से अमरीका में शेल ऊर्जा क्रांति के बाद। 1970 के दशक के आर्थिक संकटों के बाद, अमरीका, यूरोप, चीन और जापान सहित प्रमुख तेल उपभोक्ताओं ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार भी जमा कर लिए थे, जिन्हें कीमतों में उछाल आने पर इस्तेमाल किया जा सकता था (जो इस वर्ष मजबूती का एक प्रमुख स्रोत रहा)। तेल के विकल्प-प्राकृतिक गैस, नवीकरणीय ऊर्जा और नए सुरक्षित मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर ने लोकप्रियता और बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। भविष्य में, ऊर्जा की वैश्विक मांग का एक बढ़ता हुआ हिस्सा इलैक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के माध्यम से ऐसी बिजली से पूरा किया जाएगा जिसका उत्पादन तेल के बिना किया जा सकता है। साथ ही, तेल संकटों के प्रति मानक व्यापक नीतिगत प्रतिक्रिया (राजकोषीय और मौद्रिक दोनों) में सुधार हुआ है, जिससे मुद्रास्फीति की उम्मीदों में 1970 के दशक जैसी अस्थिरता को रोकने में मदद मिली है। और आंशिक रूप से इन्हीं कारकों के परिणामस्वरूप, तेल संकट 1970 के दशक के संकटों की तुलना में कम दीर्घकालिक और कम समय तक चलने वाले हो गए हैं, जो लगभग एक दशक तक चले थे। 1990-91 का तेल संकट नौ महीने तक चला, 2000-01 का संकट उससे भी कम समय तक चला और पिछले साल के 12 दिवसीय युद्ध के बाद का संकट केवल कुछ हफ्तों तक ही रहा। अंत में, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले परिदृश्यों के विपरीत, जिनमें मैक्रो और बाजार के रुझान तेल संकट से प्रभावित थे और जिसके परिणामस्वरूप कुल आपूर्ति में नकारात्मक गिरावट आई थी, वर्तमान स्थिति में ,आई निवेश में तेजी के रूप में एक दीर्घकालिक सकारात्मक कुल आपूर्ति में गिरावट देखी जा रही है। तकनीकी उद्योग के अनुकूल माहौल से कई देशों और क्षेत्रों में मजबूत विकास और कम मुद्रास्फीति को बढ़ावा मिल रहा है, यही कारण है कि इस वसंत में जब तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर थी, तब भी अमरीकी शेयर बाजार नए उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि जुलाई में नए सिरे से शुरू हुई शत्रुता के बाद इसमें कुछ सुधार हुआ है, लेकिन यह मामूली ही रहा है। बेशक, अगर ये झड़पें बड़े पैमाने पर युद्ध में तब्दील हो जाती हैं, तो आर्थिक परिणाम और बाजार पर इसके असर और भी गंभीर हो सकते हैं।

प्रतिभा पलायनः क्या भारत अपनी वैज्ञानिक पूंजी सहेज पाएगा?

> लगभग सात दशक बाद परिदृश्य चिंताजनक रूप से बदलता दिखाई देता है। कभी जिस इसरो ने विदेशों में कार्यरत भारतीय वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने के लिए प्रेरित किया था, आज वही संगठन अपने अनुभवी वैज्ञानिकों को संस्थान में बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है। हाल के महीनों में इसरो के लगभग एक सौ से अधिक वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों के त्यागपत्रों ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या भारत फिर से अपनी वैज्ञानिक पूंजी खोने लगा है? क्या यह केवल सामान्य कर्मचारी परिवर्तन है, या इसके पीछे विज्ञान प्रशासन और नौकरशाही की संरचनात्मक समस्या है?यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह घटनाक्रम ऐसे

अरुण कुमार डनायक

स्वतंत्र भारत के सामने वैज्ञानिक प्रतिभाओं का अभाव सबसे बड़ी चुनौती थी। नेहरू ने विदेशों में कार्यरत भारतीय वैज्ञानिकों को यह भरोसा दिलाया कि देश उन्हें उनकी क्षमता के अनुरूप अवसर देगा। परिणामस्वरूप अनेक प्रतिभाएं लौटीं और भारत के वैज्ञानिक भविष्य की नींव रखी। प्रो. यू. आर. राव ने अमेरिका का शोध-कॅरियर छोड़ भारत लौटकर उपग्रह कार्यक्रम को दिशा दी और इसरो को विश्वसनीय संस्थान बनाया।

लगभग सात दशक बाद परिदृश्य चिंताजनक रूप से बदलता दिखाई देता है। कभी जिस इसरो ने विदेशों में कार्यरत भारतीय वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने के लिए प्रेरित किया था, आज वही संगठन अपने अनुभवी वैज्ञानिकों को संस्थान में बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है। हाल के महीनों में इसरो के लगभग एक सौ से अधिक वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों के त्यागपत्रों ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या भारत फिर से अपनी वैज्ञानिक पूंजी खोने लगा है? क्या यह केवल सामान्य कर्मचारी परिवर्तन है, या इसके पीछे विज्ञान प्रशासन और नौकरशाही की संरचनात्मक समस्या है?यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब भारत अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम के सबसे महत्वाकांक्षी दौर में प्रवेश कर चुका है। गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना, चंद्रयान-4, मंगलयान-2, पुनरू प्रयोज्य प्रक्षेपण यान, अगली पीढ़ी के संचार एवं पृथ्वी अवलोकन उपग्रहकृ इन परियोजनाओं की सफलता केवल धन से नहीं, बल्कि अनुभवी वैज्ञानिकों पर निर्भर है। वरिष्ठ वैज्ञानिकों का अनुभव और संस्थागत ज्ञान तत्काल प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। डॉ. जितेन्द्र सिंह का यह कथनकृश्बहुत लोग जाते हैं, बहुत लोग आते हैंश्कृसामान्य प्रशासनिक दृष्टि से भले स्वाभाविक लगे, किंतु अंतरिक्ष विज्ञान में वैज्ञानिक विशेषज्ञता का महत्व इससे कहीं अधिक है। इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत संतुलित रही, फिर भी दोनों वक्तव्य त्यागपत्रों के मूल कारणों पर मौन हैं। वैज्ञानिकों के बढ़ते त्यागपत्रों के बीच 14 जुलाई 2026 को अंतरिक्ष विभाग ने गगनयान सहित राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं से जुड़े वैज्ञानिकों के त्यागपत्रों पर अंतिम निर्णय का अधिकार अपने हाथ में ले लिया। यदि स्थिति सामान्य होती, तो ऐसी असाधारण व्यवस्था की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। स्पष्ट है कि प्रशासनिक आश्वासनों से अधिक आवश्यकता इसके वास्तविक कारणों की निष्पक्ष समीक्षा की है। निजी अंतरिक्ष उद्योग का विस्तार वैज्ञानिकों के त्यागपत्रों का एक महत्वपूर्ण कारण हो सकता है। वर्ष 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने और 2023 की भारतीय अंतरिक्ष नीति लागू होने के बाद देश में चार सौ से अधिक अन्तरिक्ष स्टार्टअप विकसित हुए हैं। बेहतर वेतन, नेतृत्व के अवसर, स्टॉक विकल्प और अपेक्षाकृत तेज निर्णय-प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से अनुभवी वैज्ञानिकों को आकर्षित करती है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार का सकारात्मक संकेत भी माना जा सकता है। किंतु प्रतिभा पलायन को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। यदि इसके पीछे संस्थागत असंतोष, वैज्ञानिक स्वायत्तता में कमी, निर्णय-प्रक्रिया में घटती भागीदारी और सीमित कॅरियर अवसर जैसे कारण भी हैं, तो यह भारत की विज्ञान नीति के लिए गंभीर चेतावनी है। भारतीय वैज्ञानिक संस्थानों में लंबे समय से यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि अनेक महत्वपूर्ण तकनीकी निर्णयों में वैज्ञानिक नेतृत्व की अपेक्षा सामान्य प्रशासनिक तंत्र का प्रभाव अधिक होता जा रहा है। विज्ञान और अंतरिक्ष जैसे अत्यधिक विशिष्ट क्षेत्रों में भी कई बार अंतिम निर्णय ऐसे अधिकारियों के हाथों में होता है, जिनकी विशेषज्ञता प्रशासनिक प्रबंधन में होती है, वैज्ञानिक अनुसंधान में नहीं। फ्लस्वरूप वर्षों के शोध और तकनीकी अनुभव से तैयार वैज्ञानिक अनुशंसाएं फाइलों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अपना मूल स्वरूप खो बैठती हैं। निस्संदेह किसी भी संस्थान के सुचारु संचालन के लिए प्रशासन अनिवार्य है, किंतु जब वह वैज्ञानिक विवेक का विकल्प बनने लगे, तो शोध, नवाचार और निर्णय-प्रक्रिया प्रभावित होना स्वाभाविक है। प्रश्न यह नहीं कि प्रशासनिक अधिकारी सक्षम हैं या नहीं, बल्कि यह है कि अत्यधिक विशिष्ट वैज्ञानिक निर्णयों में अंतिम प्राथमिकता वैज्ञानिक विशेषज्ञता को मिले या सामान्य प्रशासनिक दृष्टिकोण को। विज्ञान प्रशासन का उद्देश्य वैज्ञानिक निर्णयों को सुगम बनाना होना चाहिए, उनका विकल्प बनना नहीं। नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और जापान की जाक्सा जैसी संस्थाओं में वैज्ञानिकों का उद्योग, विश्वविद्यालय और सरकारी अनुसंधान संस्थानों के बीच आवागमन सामान्य है। इस गतिशीलता को प्रतिभा पलायन नहीं, बल्कि ज्ञान परिसंचरण माना जाता है। चीन ने विदेशों में प्रशिक्षित अपने वैज्ञानिकों को योजनाबद्ध ढंग से स्वदेश लौटाया और उन्हें विश्वस्तरीय अनुसंधान वातावरण उपलब्ध कराया। यही नीति आज उसकी वैज्ञानिक प्रगति की प्रमुख आधारशिलाओं में से एक है। इसके विपरीत भारत अब तक विदेशों में कार्यरत अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को बड़े पैमाने पर वापस लाने की कोई प्रभावी और दीर्घकालिक नीति विकसित नहीं कर पाया है। यद्यपि समय-समय पर रामानुजन फेलोशिप, रामालिंगास्वामी री-एंट्री फेलोशिप, वज्र तथा हाल में वैभव जैसे कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं, जिनसे अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक भारतीय संस्थानों से जुड़े भी हैं, किंतु इन्हें अभी तक व्यापक राष्ट्रीय प्रतिभा-वापसी नीति का रूप नहीं मिल सका है। त्यागपत्रों पर प्रशासनिक रोक अल्पकालिक समाधान हो सकती है, किंतु दीर्घकालीन नहीं। प्रतिभा को आदेश से रोका जा सकता है, लेकिन उत्कृष्टता केवल विश्वास और सम्मान से ही अर्जित की जा सकती है। भारत के सामने बड़ा प्रश्न यह है कि पिछले एक दशक में विदेशों में कार्यरत कितने भारतीय वैज्ञानिक स्थायी रूप से वापस लौटे? क्या हमारे पास ऐसी कोई व्यापक राष्ट्रीय नीति है जो वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक समुदाय को पुनरू देश के अनुसंधान संस्थानों से जोड़ सके? प्रतिभा संरक्षण के साथ-साथ प्रतिभा वापसी को भी राष्ट्रीय विज्ञान नीति का अभिन्न भाग बनाना होगा। इसरो का संकट केवल एक संस्थान का

वृक्षारोपण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

संवाददाता

जिला गंगा समिति के तत्वाधान में गंगा ग्राम चांदपुर में वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला परियोजना अधिकारी निहारिका पटेल के द्वारा ब्लॉक प्रमुख राजेपुर श्री पल्लव सोमवंशी जी के जन्म दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। सर्वप्रथम ब्लॉक प्रमुख श्री पल्लव सोमवंशी जी के द्वारा वृक्षारोपण किया गया तत्पश्चात न्यू वे पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भी मिलकर वृक्षारोपण किया। ब्लॉक प्रमुख श्री पल्लव सोमवंशी ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हम सब की जिम्मेदारी है। वर्तमान समय में बढ़ते तापमान एवं पर्यावरण असंतुलन की चलते बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।हम सभी को आगे मिलकर काम करना पड़ेगा। सभी को अपने जीवन में कम से कम दस वृक्ष लगाकर उनका संरक्षण भी करना चाहिए। जिला परियोजना अधिकारी निहारिका पटेल ने कहा कि एक पेड मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत निरंतर वृक्षारोपण कर उनका संरक्षण भी किया जा रहा है। इनके अतिरिक्त किसी शुभ कार्य पर भी लोगों के मध्य पहुंचकर वृक्षारोपण कराया जा रहा है एवं उनका संरक्षण रखने की शपथ दिलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में इस अभियान में कई गंगा योद्धाओं के द्वारा प्रतिभाग कर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कराया जा रहा है। समर्पण फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री रोहित दीक्षित ने कहा कि वर्तमान समय में बारिश का मौसम चल रहा है इस मौसम में वृक्ष लगाने पर आसानी से चलते हैं।इसी अभियान को बढ़ाता देते हुए कई जगह वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा एवं समय-समय पर वृक्षों को सुरक्षित करने के लिए उनका निरीक्षण भी किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री जितेंद्र कटियार, गंगा योद्धा राम रहीश कुशवाहा, सुमित कुमार, मीना कटियार, घनश्याम आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सुनीं थाना दिवस में जनसमस्याएं

संवाददाता

हमीरपुर। आज थाना जरिया में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी जनपद हमीरपुर एवं पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर द्वारा जनसुनवाई की गई।

इस दौरान थाना क्षेत्र से आए हुए शिकायतकर्ताओं की समस्याओं एवं प्रार्थना पत्रों को गंभीरतापूर्वक सुनकर उनका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। समाधान दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों, विशेष रूप से भूमि विवादए राजस्व संबंधी प्रकरणों एवं अन्य जनसमस्याओं की समीक्षा करते हुए राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों,कर्मचारियों को संयुक्त रूप से मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने तथा शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सरीला, प्रभारी निरीक्षक थाना अध्यक्ष थाना जरिया व अन्य सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मृत बच्ची को जन्म देने के बाद प्रसूता की मौत, हंगामा

फर्रुखाबाद। शहर की आवास विकास कॉलोनी स्थित मदर केयर हॉस्पिटल में भर्ती गर्भवती ने मृत बेटी को जन्म दिया। कुछ ही देर बाद महिला की भी हालत बिगड़ गई। अस्पताल कर्मियों ने स्ट्रेचर पर रखकर बाहर निकाल दिया। परिजन कानपुर ले जा रहे थे कि रास्ते में महिला ने दम तोड़ दिया। बाद में अस्पताल के सामने शव रखकर जमकर हंगामा किया। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल सील कर खानापूरी की। नवाबगंज थाने के गांव नवादा सिरोली निवासी जौहरी लाल ने अपनी पुत्रवधू शिवानी उर्फ गोल्डी (22) को बृहस्पतिवार शाम प्रसव पीड़ा होने पर आवास विकास स्थित भाजपा कार्यालय के पीछे मदर केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। जौहरी लाल ने बताया कि अस्पताल प्रशासन ने सामान्य प्रसव का भरोसा दिया। शुक्रवार तड़के करीब चार बजे प्रसव हुआ। मृत बच्ची को जन्म दिया। प्रसव के एक घंटे तक शिवानी को ओटी से बाहर नहीं निकाला। उन्होंने सामान्य प्रसव के बावजूद इतनी देर रखने का कारण पूछा तो बताया गया कि उसके टांके लगाने के बाद बाहर निकालेंगे। पता चला कि प्रसव के दौरान अप्रशिक्षित कर्मी ने अधिक कट लगा दिया, जिससे रक्तस्राव बंद नहीं हो रहा था। जब उन्होंने शिकायती लहजे में कहा तो कर्मचारी बोले कि सर्जन के आने पर ही टांके लग सकेंगे। बहू की हालत बिगड़ने पर कर्मियों ने उसे स्ट्रेचर पर रखकर अस्पताल गेट पर कर दिया। कहा कि बाहर ले जाओ। परिजन निजी एंबुलेंस से कानपुर ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। कुछ परिजन ने अस्पताल के बाहर हंगामा किया तो कर्मचारियों ने धक्का-मुक्की कर वहां से हटा दिया। दोपहर में शव पहुंचने पर जमकर हंगामा हुआ। कादरीगेट पुलिस ने समझाकर नवजात और मां का शव लोहिया अस्पताल भेजा। पति अभिषेक कुमार प्रजापति ने बताया कि वह बाहर नौकरी करते हैं। छह बजे के करीब अस्पताल पहुंचे थे। बिना सर्जन के ही पत्नी का प्रसव कराया गया था। ब्लीडिंग अधिक होने से मौत हो गई। शिवानी का पहला प्रसव था। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल के दो गेट सील कर दिए। थानाध्यक्ष कपिल कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजन की तहरीर के बाद जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मिलीभगत से झोलाछाप चला रहे निजी अस्पताल

फर्रुखाबाद। स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत से बड़ी तादाद में निजी अस्पताल झोलाछाप चला रहे हैं। इससे आए दिन प्रसूता व नवजात की मौत की घटनाएं हो रही हैं। शुक्रवार को सीएमओ अपने कार्यालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग से डॉक्टरों को मातृ व शिशु मृत्युदर कम करने का पाठ पढ़ा रहे थे। इसी दौरान निजी अस्पताल में प्रसूता व नवजात की मौत की खबर आई। शहर के मसेनी चौराहे के आसपास कई निजी अस्पताल बिना डॉक्टर के ही झोलाछाप संचालित कर रहे हैं। कुछ सर्जन इन अस्पतालों में ऑपरेशन करने जाते हैं, लेकिन इस दौरान एनेस्थेटिस्ट को भी नहीं बुलाया जाता। शुक्रवार को मदर केयर हॉस्पिटल में सामान्य प्रसव कराया गया। आरोप है कि बिना डॉक्टर के अप्रशिक्षित कर्मी ने इतना बड़ा चीरा लगा दिया कि रक्तस्राव बंद ही नहीं हुआ। इससे प्रसूता की भी मौत हो गई। सील होने के बाद खुल चुके हॉस्पिटल

23 मई को शहर के मसेनी चौराहे के निकट स्थित एसएस हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत हो गई थी। अस्पताल सील करने पहुंचे तत्कालीन सीएमओ से विवाद हो गया था। सिटी मजिस्ट्रेट पारुल तरार ने पुलिस बल के साथ अस्पताल सील कराया था। हाजिरी लगवाने के बाद अस्पताल की सील खोल दी गई।

मसेनी चौराहे के लकूला रोड स्थित गायत्री हॉस्पिटल भी प्रसूता की मौत के बाद सील कर दिया गया था। यहां भर्ती चार मरीजों को एंबुलेंस से लोहिया अस्पताल भेज दिया गया था। अस्पताल में जांच के दौरान कोई एमबीबीएस डॉक्टर मौजूद नहीं मिला था। फिलहाल यह अस्पताल इन दिनों संचालित है।

हल्की बूंदाबांदी से फर्रुखाबादवासियों को गर्मी से मिली राहत, खिल उठे लोगों के चेहरे

संवाददाता

फर्रुखाबाद। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान फर्रुखाबादवासियों को शनिवार को हुई हल्की बूंदाबांदी ने बड़ी राहत दी। दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदला और आसमान में बादल छा गए। इसके बाद शुरू हुई हल्की बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। बारिश के चलते सड़कों पर निकले लोगों के चेहरे खिल उठे। बच्चों ने बारिश का आनंद लिया, वहीं बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों में मौसम को लेकर उत्साह देखने को मिला। किसानों ने भी इस बूंदाबांदी को खरीफ फसलों के लिए लाभदायक बताया और कहा कि इससे खेतों में नमी बढ़ेगी, जिससे फसलों को फायदा मिलेगा। हालांकि कुछ निचले इलाकों में हल्का जलभराव भी देखने को मिला, लेकिन अधिकांश लोगों ने बारिश का स्वागत किया। मौसम सुहावना होने से पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर भी लोगों की आवाजाही बढ़ गई। मौसम में आए इस बदलाव से जिलेवासियों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश होने से मौसम और अधिक सुहावना होगा तथा गर्मी का असर पूरी तरह कम हो जाएगा।

नीट-यूजी पेपर लीक को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

संवाददाता

फर्रुखाबाद। आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिलाध्यक्ष एडवोकेट सूरज गौतम के नेतृत्व में शनिवार को पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में हृश्वश्वञ्ज-ल 2026 पेपर लीक को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा प्रभावित छात्रों को न्याय दिलाने की मांग की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिव प्रकाश विश्वकर्मा एवं गुड्डू कठेरिया शामिल हुए। दोनों नेताओं ने कहा कि बार-बार होने वाले पेपर लीक से देश के लाखों मेहनती छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। सरकार को शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए। जिलाध्यक्ष एडवोकेट सूरज गौतम ने कहा कि पेपर लीक केवल परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों और देश के भविष्य पर सीधा हमला है। आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) छात्रों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी। दोषियों को कठोरतम सजा मिले और प्रभावित विद्यार्थियों को न्याय, पुनर्परीक्षा तथा उचित मुआवजा दिया जाए। ज्ञापन में मांग की गई कि पेपर लीक को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए, दोषियों को उम्रकैद सहित कठोर दंड दिया जाए, सभी पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराई जाए, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए तथा प्रभावित छात्रों को न्याय और उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी पर प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई रोकने की भी मांग की गई। इस अवसर पर फाउंडर जिलाध्यक्ष फरियाब खान, जिला प्रभारी राशिद खान, जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ नूर अहमद, पिंटू जाटव, पूर्व जिलाध्यक्ष पंकज गौतम, आशुतोष कठेरिया समेत सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

अज्ञात बाइक की टक्कर,स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल

बांदा । अतर्रा तहसील क्षेत्र में एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए दुर्गावती मेडिकल कॉलेज, बांदा रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, अतर्रा कस्बा निवासी प्रदीप (23) पुत्र वीरेंद्र बाजार से अपनी स्कूटी से घर लौट रहा था। यह घटना डिग्री कॉलेज के पास हुई। इसी दौरान एक अज्ञात बाइक ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल प्रदीप को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अतर्रा पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

आयुर्वेद को बनाएं जीवनशैली का हिस्सा :- डॉ प्रीति सिंह

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में बोलीं आयुर्वेद चिकित्साधिकारी

संवाददाता

पनवाड़ी महोबा। पं दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज कनकुआ में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्रों को विभिन्न संक्रामक रोगों से बचाव की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। मीडिया प्रभारी सतीश मिश्र ने बताया कि जिलाधिकारी गजल भारद्वाज एवं जिला विद्यालय निरीक्षक प्रेमचन्द यादव के निर्देशन एवं प्रधानाचार्य भानुप्रताप के मार्गदर्शन में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चल रहे इस अभियान के अंतर्गत कॉलेज में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय कनकुआ की आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रीति सिंह ने छात्र छात्राओं को डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के तरीके बताए उन्होंने संक्रामक रोगों से बचने के विभिन्न घरेलू और आयुर्वेदिक उपचार बताते हुए विभिन्न औषधीय पौधों एवं संतुलित आहार के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि सही आहार, प्राकृतिक जड़ी-बूटियाँ और संतुलित दिनचर्या अपनाकर शरीर और मन को स्वस्थ रखा जा सकता है। आयुर्वेद केवल बीमारी का इलाज नहीं करता, बल्कि जीवन शैली में बदलाव लाकर रोगों को दूर रखता है। इसलिए आयुर्वेद को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

कार्यक्रम की नोडल डॉ सुनैना ने विद्यार्थियों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने तथा बीमारी के लक्षण दिखने पर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य डेंगू, मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई), एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस), चिकनगुनिया, डायरिया सहित अन्य संचारी रोगों की रोकथाम करना है।

इस दौरान प्रवक्ता शिखा राणा, पूनम यादव,प्रीति कन्नौजिया, रानी हिरदेश,ज्योति राजपूत आकेश, खेमचंद्र, अंकित जयनारायण, शिवम सुरेश समेत बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों के लिए सरकारी सेवा का सुनहरा अवसर

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को सरकारी सेवा में अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली.2022 के अंतर्गत पात्र खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित किए गए है। उप क्रीड़ाधिकारीए जिला खेल कार्यालयए हमीरपुर शमीम अहमद ने बताया कि खेल निदेशालय उत्तर प्रदेशए खेल भवनए लखनऊ के पत्र संख्या.813/अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेतानियुक्ति.2026, दिनांक 15 जुलाई 2026 के क्रम में प्रदेश के मूल निवासी ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं जिन्होंने 01 सितम्बरए 2020 अथवा उसके पश्चात आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक अर्जित किया हो। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली.2022 के अंतर्गत चयनित खिलाड़ियों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा चिन्हित विभागों में उपलब्ध रिक्त पदों के सापेक्ष की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप पर 8 अगस्तए 2026 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। आवेदन पत्र का प्रारूप तथा भर्ती से संबंधित विस्तृत दिशा.निर्देश खेल विभाग, उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट एवं खेल साथी पोर्टल पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप डाउनलोड कर समयबद्ध रूप से आवेदन कर सकते हैं। उप क्रीड़ाधिकारी ने जनपद के पात्र खिलाड़ियों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित समयावधि के भीतर आवेदन कर प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल का हिस्सा बने।

कन्या जन्मोत्सव का आयोजन 26 नवजात बालिकाओं एवं उनकी माताओं का किया गया सम्मान

संवाददाता

हमीरपुर। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मुस्करा में शुक्रवार को कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी के निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के मार्गदर्शन में किया गयाए जिसमें संस्थागत प्रसव के तहत जन्मी 26 नवजात बालिकाओं और उनकी माताओं का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिला कल्याण विभाग की टीम ने नवजात बालिकाओं के जन्म की खुशियां साझा करते हुए उन्हें बेबी किटए वस्त्र एवं डायपर्स भेंट किए। साथ ही परिजनों को बेटियों के बेहतर पालन.पोषणए स्वास्थ्यए शिक्षा और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया तथा बालिकाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी ने कहा कि बेटियां समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उनके प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बालिका को गुणवत्तापूर्ण शिक्षाए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएंए समान अधिकार और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। साथ ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला कल्याण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका रही। वहींए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्करा की पूरी टीम ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने श्बेटी बचाओए बेटी पढ़ाओश् अभियान को जन.जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया।

अवैध तमंचा-कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

बांदा। बबेरू कोतवाली पुलिस ने शनिवार को सिमौनी गांव से एक व्यक्ति को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को दोपहर जेल भेज दिया गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके बाद गश्त और चेकिंग के दौरान सिमौनी गांव के तिराहे के पास से राज नारायण पुत्र राजबहादुर यादव को पकड़ा गया। उसके पास से एक अवैध 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। राज नारायण सेवाहट, थाना कमासिन का निवासी है। यह कार्रवाई बांदा पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर जनपद में अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। गिरफ्तार अभियुक्त राज नारायण के खिलाफ बबेरू कोतवाली में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रमेश कुमार, कांस्टेबल विमल कुमार, आदित्य अवस्थी और विवेक राठौर शामिल थे।

सीपी इंटरनेशनल स्कूल में गरिमामय पदग्रहण समारोह, छात्र परिषद ने ली नेतृत्व और उत्तरदायित्व की शपथ

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश गुप्ता रहे मुख्य अतिथि, डॉ. मिथिलेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को अनुशासन, सेवा और नेतृत्व का दिया संदेश

संवाददाता

फर्रुखाबाद। सीपी इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से शनिवार को भव्य पदग्रहण समारोह (इन्वेस्टिचर सेरेमनी) का आयोजन किया गया। समारोह में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष रूपेश गुप्ता मुख्य अतिथि तथा विद्यालय समूह की निदेशक डॉ. मिथिलेश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, विद्यालय समूह के संस्थापक स्वर्गीय चंद्र प्रकाश बाबूजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद स्काउट एवं गाइड दल तथा छात्र परिषद ने आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। मार्च-पास्ट का नेतृत्व अविघ्न मिश्रा ने किया, जबकि आराध्या शर्मा के नेतृत्व में स्काउट-गाइड दल ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों का परिचय कराया गया और उन्हें बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। सीनियर विंग में रविकांत ने स्कूल हेड बॉय और शैली मिश्रा ने स्कूल हेड गर्ल के रूप में पदभार ग्रहण किया। वहीं जूनियर विंग में नैतिक पाल हेड बॉय तथा आराध्या हेड गर्ल बनीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य पी. रथ ने सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

जूनियर एवं सीनियर विंग के विभिन्न क्लबों, हाउसों और समितियों के कप्तानों तथा पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

अपने संबोधन में डॉ. मिथिलेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों से अनुशासन, सेवा भावना और जिम्मेदारी के साथ नेतृत्व करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि रूपेश गुप्ता ने कहा कि विद्यालय में मिलने वाले नेतृत्व के अवसर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत नींव रखते हैं। प्रधानाचार्य पी. रथ ने छात्र परिषद के सदस्यों से विद्यालय की गरिमा बनाए रखते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया।

समारोह के अंत में प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। उपनिदेशिका अंजू राजे ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। इसके बाद अतिथियों एवं विद्यालय परिवार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का संचालन शैलवी रस्तोगी एवं अग्रिमा मिश्रा ने किया।

पालतू कुत्ते ने पिता पुत्र को काटा शिकायत पुलिस से

भरुआ सुमेरपुर। पालतू कुत्ते द्वारा पिता पुत्र को काटने पर उलाहना देने से नाराज दबंग ने गाली गलौज करते हुए धमकी देकर भगा दिया। भौनिया निवासी भगत सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उसके पड़ोसी ने एक कुत्ता पाल रखा है। यह दौड़कर लोगों को काटता है। विगत दिनों उसके पुत्र नारायण सिंह को काट लिया था। अब खेत जाते समय उसे काट लिया है। उलाहना देने पर दबंग गाली गलौज करते हुए लड़ाई करने पर आमादा हो गया है और धमकी दे रहा है। पीड़ित ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। प्रभारी थानाध्यक्ष दुर्गेश राय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

भीम आर्मी ने जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया

बांदा । भीम आर्मी भारत एकता मिशन और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को पेपर लीक, भर्ती घोटालों और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए इन मामलों की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि नीट, जेईई, एसएससी, रेलवे, पुलिस और शिक्षक भर्ती समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार।

पेपर लीक और अनियमितताओं के कारण करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इससे छात्रों का परीक्षा प्रणाली और शासन-प्रशासन पर भरोसा कमजोर हुआ है।भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि 20 जुलाई 2026 को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों पर हुआ कथित पुलिस लाठीचार्ज लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। उन्होंने घटना की उच्चस्तरीय न्यायिक या किसी स्वतंत्र एजेंसी से समयबद्ध जांच कराकर दोषी अधिकारियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की।ज्ञापन में आंदोलन के दौरान छात्रों पर दर्ज सभी मुकदमे वापस लेने की मांग भी की गई।

शेख हसीना के लौटने से पहले ही बांग्लादेश में भयंकर बवाल

एजेंसी

ढाका। दावों की अब तक आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। दरअसल बांग्लादेश के अखबार प्रथम आलोक की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति मोहम्मद शबुद्दीन ने अपने लंदन दौरे के दौरान भारत में रह रही शेख हसीना से कथित तौर पर फोन पर बातचीत की थी। ढाका के गलियारों में चर्चा तेज है कि एक फोन कॉल ने तख्तापलट के बाद बनी नई व्यवस्था की नींव हिला दी है। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन पर इस्तीफे का दबाव बन रहा है और खबर आ रही है कि वह अब कभी भी कुर्सी छोड़ सकते हैं। यह पूरा मामला शुरू होता है बांग्लादेशी राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन की लंदन यात्रा से। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने लंदन दौरे के दौरान शेख हसीना से संपर्क करने की कोशिश की। बल्कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने का भी दावा किया गया है। हालांकि इन दावों की अब तक आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। दरअसल बांग्लादेश के अखबार प्रथम आलोक की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति मोहम्मद शबुद्दीन ने अपने लंदन दौरे के दौरान भारत में रह रही शेख हसीना से कथित तौर पर फोन पर बातचीत की थी।

जैसे ही यह खबर सामने आई बांग्लादेश की राजनीति में सवाल उठने लगे कि क्या राष्ट्रपति अपने संवैधानिक निष्पक्षता बनाए हुए हैं या नहीं? सबसे कड़ी प्रतिक्रिया बांग्लादेशी नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की ओर से आई। पार्टी के नेताओं ने राष्ट्रपति शहबुद्दीन के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएपी का मानना है कि अगर राष्ट्रपति ने वास्तव में निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री से संपर्क किया है तो यह राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मामला है। यही नहीं कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन अपना कार्यकाल पूरा होने से करीब 2 साल पहले ही स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे सकते हैं। हालांकि राष्ट्रपति भवन की ओर से ना तो इन खबरों की पुष्टि की गई है और ना ही इनका खंडन किया गया है। जब बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाउद्दीन अहमद से इसकथित फोन कॉल के बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने भी साफ जवाब देने से बचा और कहा कि इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

उन्होंने इतना जरूर कहा कि अगर राष्ट्रपति स्वास्थ्य या किसी अन्य कारण से इस्तीफा देना चाहते हैं तो संविधान उन्हें उसकी इजाजत देता है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अप्रैल 2023 में 5 सालों के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया था और उनकी नियुक्ति उस समय हुई थी जब शेख हसीना प्रधानमंत्री थे। अगस्त 2024 में छात्रा आंदोलन के बाद तख्तापलट हुआ और शेख हसीना को देश छोड़कर भारत आना पड़ा। तब से वह भारत में ही रह रही हैं। अब उन्होंने दिसंबर 2026 में बांग्लादेश लौटने की घोषणा की है। जिससे देश की राजनीति फिर एक बार गर्म हो चुकी है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि अगर राष्ट्रपति शबुद्दीन इस्तीफा देते हैं तो बांग्लादेश के संविधान के अनुसार संसद के स्पीकर अंतरिम राष्ट्रपति का कार्यभार संभालेंगे। जब तक कि नए राष्ट्रपति का चुनाव नहीं हो जाता है। फिलहाल सबसे अहम बात यह है कि शेख हसीना और राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन के बीच कथित फोन कॉल की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इस खबर को अभी दावे और मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर ही देखा जा रहा है। लेकिन इतना जरूर तय है कि शेख हसीना की संभावित वापसी से पहले बांग्लादेश की राजनीति में उठा यह नया हलचल आने वाले दिनों में कोई बड़ा घटनाक्रम बन सकता है।

नेपाल मे सुप्रीम कोर्ट के गठन को बदलने के लिए राजनीतिक दबाव

नेपाल। बयान में कहा गया है, खासकर, मौजूदा जजों से ज़बरदस्ती इस्तीफ़ा दिलवाकर या उन पर महाभियोग चलाकर सुप्रीम कोर्ट के गठन को बदलने के लिए राजनीतिक दबाव डाला गया है। मई 2026 में, सरकार ने नेपाल के संविधान और कानून के शासन के सिद्धांतों के तहत ज़रूरी संसदीय कानून के बजाय, एक कार्यकारी अध्यादेश के ज़रिए 'कॉन्स्टिट्यूशनल काउंसिल एक्ट' में गलत तरीके से संशोधन किया। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों ने नेपाल सरकार को चेतावनी दी है कि वह सुप्रीम कोर्ट में नियुक्तियों और उसके गठन में दखल न दे; उन्होंने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया है। शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ़ जूरिस्ट्स ने कहा कि नेपाल सरकार के हालिया 'कदम देश की न्यायपालिका की आज़ादी के लिए खतरा हैं।

कांवड़ यात्रा के लिए वन विभाग ने बनाया कंट्रोल रूम,पेड़ की टहनियों हटाया जाएगा

एजेंसी

नोएडा। सावन में कांवड़ यात्रा को देखते हुए वन विभाग ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। आंधी और बारिश के दौरान कांवड़ मार्ग पर पेड़ या टहनियां गिरने की आशंका को देखते हुए विभाग ने कंट्रोल रूम स्थापित किया है। सूचना मिलने पर विभाग की टीम 10 से 15 मिनट के भीतर मौके पर पहुंचकर मार्ग से पेड़ और टहनियां हटाएगी, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित न हो। प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि वन प्रभाग स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम के लिए दो कर्मचारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इनमें सहायक कुलदीप कुमार (मोबाइल 8447619244) और वरिष्ठ सहायक अनामिका सिंह (मोबाइल 9456031509) शामिल हैं। दोनों अधिकारियों को कांवड़ यात्रा समाप्त होने तक अपने मोबाइल फोन हर समय चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर वे तत्काल संबंधित क्षेत्रीय वन अधिकारी को अवगत कराएंगे, ताकि बिना देरी के आवश्यक कार्रवाई की जा सके। वन विभाग के अनुसार, कांवड़ मार्गों की सूची पहले ही संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। इससे किसी भी स्थान पर पेड़ या टहनियां गिरने की सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर मार्ग को साफ करेगी और श्रद्धालुओं की यात्रा सुचारु बनाए रखेगी। इसके बाद ठगों ने उनसे एक एप डाउनलोड कराकर पंजीकरण कराया और 12 दिसंबर तक 13 लाख रुपये निवेश के नाम पर ट्रांसफर करा लिए। एप पर लगातार बढ़ता हुआ पोर्टफोलियो दिखाया गया, लेकिन जब शाहीन ने रकम निकालने का प्रयास किया तो निकासी नहीं हुई।

तभी उन्हें ठगी का अहसास हुआ। डीसीपी साइबर सुरक्षा शैव्या गोयल ने बताया कि दोनों शिकायतों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। ठगी में इस्तेमाल बैंक खातों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश न करें और न ही बिना सत्यापन के किसी खाते में पैसा भेजें। यदि साइबर ठगी का शिकार हों तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन या एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। डीसीपी साइबर सुरक्षा शैव्या गोयल ने बताया कि दोनों शिकायतों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सार सुर्खियां

एक्सीडेंट में युवक की मौत,बाइक से जा रहा था, तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी

नोएडा। नोएडा में शुक्रवार रात करीब 11 बजे तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने कार ड्राइवर को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची सेक्टर-113 थाना पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर कार जब्त कर ली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि युवक को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान आदित्य कुमार के रूप में हुई है, जो गौर सिटी का निवासी था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय कार में ड्राइवर समेत तीन लोग सवार थे। आरोपी चालक की पहचान चिराग संजवानी के रूप में हुई है, जो नोएडा के 14 एवेन्यू सिटी का निवासी है और एक निजी कंपनी में काम करता है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि कार में सवार सभी लोगों ने शराब पी रखी थी, जिसके कारण कार अनियंत्रित होकर बाइक से टकरा गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मेडिकल जांच सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेटे की हत्या करने वाला पिता गिरफ्तार, शराब के लिए पैसे मांगने पर हुआ था झगड़ा

नोएडा। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने बेटे (25) की हत्या के मामले में फरार चल रहे पिता को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शराब के लिए पैसे मांगने को लेकर हुए विवाद में पिता ने बेटे के सिर पर बांस के डंडे से हमला कर दिया था। चोट लगने के बाद युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के करीब एक महीने बाद शुक्रवार रात करीब 8 बजे नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, घटना तुगलपुर गांव में हुई थी। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि 21 जून की सुबह करीब पांच बजे आरोपी देवेंद्र (47) घर पहुंचा। बेटे से शराब के लिए पैसे मांगे। मना करने पर विवाद शुरू हो गया। गुस्से में उसने घर में रखा बांस का डंडा उठाकर करण के सिर पर मार दिया। हमले में करण गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजन करण को तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन सिर में गंभीर चोट होने के कारण 22 जून को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। करण की मां की तहरीर पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें बनाई गईं और स्थानीय मुखबिरों के साथ इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद ली गई। पुलिस ने शुक्रवार रात देवेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। वह मूल रूप से बदायूं जिले के बिल्सी थाना क्षेत्र के गडौली गांव का रहने वाला है। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया बांस का डंडा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दो महिलाओं से 29 लाख की ठगी,शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर जाल में फंसाया

नोएडा। नोएडा में शेयर बाजार में निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने दो महिलाओं से कुल 29 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर फर्जी निवेश प्लेटफॉर्म पर मुनाफा दिखाया और धीरे-धीरे रकम ट्रांसफर करवा ली। जब पीड़िताओं ने पैसा निकालने की कोशिश की तो उन्हें ठगी का पता चला। दोनों मामलों में शुक्रवार को रात करीब 8 बजे साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी हाउस वाइफ बुलबुल को 2 दिसंबर को टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब का ऑफर मिला। शुरुआती टास्क पूरे करने के बाद ठगों ने शेयर बाजार में निवेश कर अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। विश्वास जीतने के बाद 20 दिसंबर तक अलग-अलग किस्तों में उनसे 16 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। सेक्टर-168 निवासी हाउस वाइफ शाहीन को 3 दिसंबर को ष्34 स्पेशल ट्रेनिंगष् नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में निवेशकों के मुनाफे के संदेश और सेबी के कथित प्रमाणपत्र साझा किए गए, जिससे प्लेटफॉर्म भरोसेमंद लगा। इसके बाद ठगों ने उनसे एक एप डाउनलोड कराकर पंजीकरण कराया और 12 दिसंबर तक 13 लाख रुपये निवेश के नाम पर ट्रांसफर करा लिए। एप पर लगातार बढ़ता हुआ पोर्टफोलियो दिखाया गया, लेकिन जब शाहीन ने रकम निकालने का प्रयास किया तो निकासी नहीं हुई। तभी उन्हें ठगी का अहसास हुआ। नोएडा में शेयर बाजार में निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने दो महिलाओं से कुल 29 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर फर्जी निवेश प्लेटफॉर्म पर मुनाफा दिखाया और धीरे-धीरे रकम ट्रांसफर करवा ली। जब पीड़िताओं ने पैसा निकालने की कोशिश की तो उन्हें ठगी का पता चला। दोनों मामलों में शुक्रवार को साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी गृहिणी बुलबुल को 2 दिसंबर को टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब का ऑफर मिला। शुरुआती टास्क पूरे करने के बाद ठगों ने शेयर बाजार में निवेश कर अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। विश्वास जीतने के बाद 20 दिसंबर तक अलग-अलग किस्तों में उनसे 16 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। सेक्टर-168 निवासी गृहिणी शाहीन को 3 दिसंबर को 34 स्पेशल ट्रेनिंगष् नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में निवेशकों के मुनाफे के संदेश और सेबी के कथित प्रमाणपत्र साझा किए गए, जिससे प्लेटफॉर्म भरोसेमंद लगा।

इंडोनेशिया में नाव लापता, 11 यूरोपीय पर्यटक थे सवार

एजेंसी

पालू। इंडोनेशिया में एक नाव लापता हो गया है। जानकारी के अनुसार, नाव पर कुल 13 लोग सवार थे। ये सभी तंजुंग उनाउना रीजेंसी से गोरोंटालो प्रांत के मारिसा बंदरगाह के लिए रवाना हुए थे, लेकिन तय समय से न पहुंचने पर उन सभी की तलाश की जा रही है। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के पास एक स्पीडबोट के लापता होने के बाद बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इस स्पीडबोट में 11 यूरोपीय पर्यटक और दो स्थानीय चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अब तक नाव या उसमें सवार लोगों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। अधिकारियों के मुताबिक, स्पीडबोट शुक्रवार सुबह तंजुंग उनाउना रीजेंसी से गोरोंटालो प्रांत के मारिसा बंदरगाह के लिए रवाना हुई थी। हालांकि, तय समय तक नाव अपने गंतव्य पर नहीं पहुंची। गोरोंटालो प्रांत के खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख हेरियांतो ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3:40 बजे एक स्थानीय टूर गाइड ने स्पीडबोट के लापता होने की सूचना दी। इसके तुरंत बाद रात में ही खोज अभियान शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'जब दोपहर तक स्पीडबोट अपने गंतव्य पर नहीं पहुंची तो चिंता बढ़ गई। हमने तुरंत तलाश अभियान शुरू किया, लेकिन अब तक नाव या उसमें सवार लोगों का कोई पता नहीं

कई देशों के पर्यटक थे सवार

इंडोनेशियाई अधिकारियों के अनुसार स्पीडबोट में एक चेक गणराज्य का नागरिक, एक बेल्जियम का नागरिक, पांच नीदरलैंड के नागरिक, तीन जर्मन नागरिक, एक फ्रांसीसी महिला और दो इंडोनेशियाई चालक दल के सदस्य सवार थे।

खराब समुद्री मौसम बना चुनौती

मौसम विभाग ने क्षेत्र में सामान्य तौर पर साफ मौसम का अनुमान जताया है, लेकिन समुद्र में तेज हवाओं और करीब 2.5 मीटर ऊंची लहरों के कारण बचाव अभियान में कठिनाई आ रही है। अधिकारियों का कहना है कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद लापता पर्यटकों और चालक दल की तलाश लगातार जारी है।

कुल्हड़ चाय के दीवाने हो रहे युवाः लंदन से न्यूयॉर्क तक चाय-कॉफी के लिए बढ़ा चलन

लंदन/ न्यूयॉर्क। दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक कचरे के बीच भारत का पारंपरिक मिट्टी का कुल्हड़ पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोप के कई प्रीमियम कैफे भारतीय कुल्हड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि कनाडा में भारतीय प्रवासी मुफ्त चाय और भोजन बांटकर सेवा-भाव की मिसाल पेश कर रहे हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष 500 अरब से अधिक सिंगल-यूज प्लास्टिक और माइक्रो-प्लास्टिक कोटेड पेपर कप कचरे के ढेर में तब्दील हो रहे हैं, जिन्हें गलने में सैकड़ों वर्ष लगते हैं। इस गंभीर पर्यावरण संकट के बीच अब ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोप के पर्यावरण-प्रेमी देशों को भारत की सदियों पुरानी परंपरा में एक बड़ा वैज्ञानिक समाधान नजर आया है। यह समाधान है मिट्टी का कुल्हड़। इसी के चलते पश्चिमी देशों के प्रीमियम कैफे में अब मिट्टी की सोंधी खुशबू महकने लगी है। सिंगल-यूज और माइक्रो-प्लास्टिक के उलट भारतीय कुल्हड़ 100 प्रतिशत बायोडिग्रेडेबल है। इस्तेमाल के बाद इसे फेंकने पर यह कुछ ही दिनों में वापस प्रकृति की मिट्टी में विलीन हो जाता है। मिट्टी की प्राकृतिक क्षारीयता चाय के अम्लीय (एसिडिक) प्रभाव को संतुलित करने में भी मदद करती है, जिससे पाचन बेहतर रहता है। पश्चिमी देशों में जीरो-वेस्ट लाइफस्टाइल अपनाने वाले युवा इस मॉडल के दीवाने हो रहे हैं।

ट्रंप ने न्यूक्लियर डील के बदले रखी अब्राहम समझौते की शर्त

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर कहा कि नागरिक परमाणु समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सऊदी अरब को अब्राहम समझौते में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा कि यह शर्त पूरी करना जरूरी है। ट्रंप ने कहा कि अब रियाद के पास ईरान जैसी क्षेत्रीय ताकत के दबदबे का खतरा नहीं है, इसलिए अब पीछे हटने की कोई वजह नहीं है। अब्राहम समझौते साल 2020 में अमेरिका की पहल पर हुए कई कूटनीतिक समझौतों का समूह है।

इसके तहत इस्राइल और कई अरब देशों के बीच औपचारिक राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध स्थापित हुए थे। इनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन, मोरक्को और सूडान शामिल हैं। अमेरिकी परमाणु क्षेत्र में नए विकास पर अपने संबोधन में ट्रंप ने प्रस्तावित ऊर्जा साझेदारी के केंद्र में अब्राहम समझौते को रखा। उन्होंने कहा कि इस्राइल के साथ क्षेत्रीय संबंध सामान्य करने वाले इस समझौते में शामिल होना 'पश्चिम एशिया के भविष्य के लिए बहुत अहम' है। ट्रंप ने कहा, इसे पूरा करने के लिए उन्हें अब्राहम समझौते का सदस्य बनना होगा। अब समय आ गया है कि वे ऐसा करें। उन्होंने कहा, वे और अन्य देश ऐसा नहीं करना चाहते थे क्योंकि उन्हें ईरान से समस्या थी। अब वह समस्या नहीं है। अब वहां कोई बड़ी ताकत नहीं है। वे पश्चिम एशिया के दबंग थे। अब वे इतने बड़े दबंग नहीं रहेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, किसी न किसी समय वे इसमें शामिल होंगे। ट्रंप ने एक दिन पहले ट्रुथ सोशल पर कहा था कि ऊर्जा समझौता केवल गैर-सैन्य परमाणु इस्तेमाल तक सीमित रहेगा और सऊदी अरब में घरेलू स्तर पर यूरेनियम संवर्धन की अनुमति नहीं होगी। ट्रंप ने गुरुवार को लिखा था, नागरिक परमाणु समझौते को मंजूरी दी जाएगी। लेकिन यह पूरी तरह से सऊदी अरब के अब्राहम समझौते में शामिल होने पर निर्भर है।

नागरिक परमाणु समझौते पर किए हस्ताक्षर

ट्रंप की यह स्पष्ट शर्त अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट और सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान के बीच हुए अहम नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद आई है। इस समझौते को अमेरिका की संसद में समीक्षा के लिए भेजा गया है। इन दोनों मुद्दों को जोड़कर ट्रंप ने नागरिक ऊर्जा साझेदारी को पश्चिम एशिया की कूटनीति में लंबे समय से चले आ रहे विवाद के साथ जोड़ दिया है। दूसरी ओर, सऊदी अरब लगातार कहता रहा है कि इस्राइल को औपचारिक रूप से मान्यता देने का फैसला एक स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए स्पष्ट और भरोसेमंद रास्ते पर निर्भर करेगा।

पाकिस्तान में सुरक्षा चौकी पर भीषण आतंकी हमला, 12 सैनिकों समेत 15 की मौत

एजेंसी

पाकिस्तान। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टांक जिले में एक संयुक्त पुलिस जांच चौकी पर हुए आतंकी हमले में 12 सैनिकों सहित 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर के अनुसार, यह हमला प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने किया। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी 12 आतंकवादियों को मार गिराया है। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक संयुक्त पुलिस जांच चौकी पर हुए भीषण आतंकी हमले में 12 सैनिकों समेत कम से कम 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार टांक जिले में तड़के यह हमला प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों द्वारा किया गया। मृतकों में दो पुलिसकर्मी और वन विभाग का एक कर्मचारी भी शामिल है। आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि आतंकियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर चौकी में घुसने की कोशिश की, जिसका सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इसमें बताया गया कि भागते समय आतंकवादियों ने बारूद से भरी एक गाड़ी चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दी। इस जोरदार विस्फोट से 15 कर्मियों की मौत हो गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने भाग रहे आतंकवादियों का पीछा किया और 12 को मार गिराया।

व्हाइट हाउस डिनर का आयोजन, ट्रंप बोले- शो जारी रहेगा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार रात व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर में हिस्सा लिया, जो अप्रैल में हुई गोलीबारी की घटना के बाद अब दोबारा आयोजित किया गया। इस दौरान ट्रंप ने कहा, 'जैसा मैंने तीन महीने पहले कहा था, शो जारी रहना चाहिए'। यह कार्यक्रम वॉशिंगटन के वाल्डॉर्फ एस्टोरिया होटल में हुआ, जहां करीब 700 मेहमानों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मेहमानों को एक ही प्रवेश द्वार से अंदर लाया गया, जहां पहचान जांच, स्निफर डॉग, हथियारबंद सुरक्षा कर्मी और अन्य सख्त इंतजाम मौजूद थे। इस बार न तो रेड कार्पेट था और न ही पहले की तरह भव्य स्वागत समारोह।

ट्रंप ने मीडिया पर कसा तंज

अपने संबोधन में ट्रंप ने माहौल हल्का रखने की कोशिश की, लेकिन मीडिया पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि यह 'ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम वाले लोगों का सबसे बड़ा जमावड़ा' है। हालांकि, उन्होंने पहले से तैयार तीखे भाषण को छोड़कर हल्के-फुल्के अंदाज में बात की। इस आयोजन को लेकर आलोचनाएं भी सामने आई हैं। कुछ लोगों का मानना है कि पत्रकारों और नेताओं का इस तरह साथ आना प्रेस की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। पॉयन्टर इंस्टीट्यूट की मीडिया विशेषज्ञ केली मैकब्राइड ने कहा कि इससे जनता के बीच गलत संदेश जाता है कि पत्रकार और नेता आपस में करीबी हैं। यह भी पढ़ें- 850 साल बाद आसमान में होगा चमत्कारः दो साल पहले ही फुल हुए होटल; आखिर 22 जुलाई 2028 को ऐसा क्या होने वाला है? व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन ने साफ किया कि इस डिनर का उद्देश्य एक स्वतंत्र प्रेस का जश्न मनाना है और यह दिखाना है कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका कितनी अहम है।

हम डरने वाले नहीं हैंः वेइजिया जियांग

इस कार्यक्रम की शुरुआत व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन (ड्ढ।ष्ट) की अध्यक्ष और सीबीएस न्यूज की पत्रकार वेइजिया जियांग के संबोधन से हुई। उन्होंने अप्रैल की घटना को याद करते हुए कहा, 'हम वापस आ गए हैं। हम डरने वाले नहीं हैं और हिंसा को आखिरी शब्द नहीं बनने देंगे'। अप्रैल में आयोजित पहले डिनर के दौरान एक हमलावर ने सुरक्षा जांच चौकी पर हमला कर दिया था, जिससे कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई थी और लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा था इस बार के कार्यक्रम में कुछ बदलाव भी किए गए। दो नए पुरस्कार जोड़े गए, एक सीक्रेट सर्विस एजेंट विक्टर गोंजालेस को, जिन्होंने हमले के दौरान बहादुरी दिखाई, और दूसरा उस होटल स्टाफ को, जहां पहली बार कार्यक्रम आयोजित हुआ था।

मीडिया-सरकार तनाव बरकरार

यह डिनर ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन और मीडिया के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। हाल ही में सरकार ने कुछ पत्रकारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की कोशिश की थी, जिसे बाद में वापस लेना पड़ा। इस मुद्दे पर कई प्रेस संगठनों ने भी चिंता जताई है और व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन से सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने की अपील की है।

श्रेयस अय्यर की टीम पहुंची इंडिया हाउस, दूसरे टी20 से पहले भारतीय उच्चायुक्त से की मुलाकात

एजेंसी

हरारे। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम ने हरारे स्थित इंडिया हाउस में जिम्बाब्वे में भारत के उच्चायुक्त ब्रह्मा कुमार से मुलाकात की।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान कप्तान श्रेयस अय्यर और कार्यवाहक मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण का सम्मान भी किया गया। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली भारतीय टीम ने हरारे स्थित इंडिया हाउस में जिम्बाब्वे में भारत के उच्चायुक्त ब्रह्मा कुमार से मुलाकात की। इस दौरान कप्तान श्रेयस अय्यर और कार्यवाहक मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण का सम्मान किया गया। भारत पहला टी20 सात विकेट से जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुका है। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा,

'हरारे की एक यादगार शाम। जिम्बाब्वे में भारत के उच्चायुक्त ब्रह्मा कुमार ने दूसरे टी20 मुकाबले से पहले इंडिया हाउस में टीम इंडिया की मेजबानी की।'

पहले मैच की जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास : भारतीय टीम ने सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को सात विकेट से हराया था। इसके साथ ही टीम ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार सीरीज में मिली हार के सिलसिले को भी खत्म किया।

यह जीत श्रेयस अय्यर के लिए भी खास रही, क्योंकि टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में यह उनकी पहली जीत थी। सूर्यकुमार यादव के बाद कप्तानी संभालने के बाद शुरुआती दो सीरीज में उन्हें लगातार छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

वैभव और मयंक रहे जीत के हीरो : पहले टी20 में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 18 गेंदों में अर्धशतक जड़कर अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं, 21 महीने बाद वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव ने दो विकेट लेकर शानदार वापसी की। 126 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 40 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। वैभव के अलावा ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

अब सीरीज जीतने पर नजर

भारत शनिवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज अपने नाम करना चाहेगा। इसके बाद रविवार को होने वाले अंतिम मुकाबले में टीम की नजर 3-0 से क्लीन स्वीप करने पर होगी। वहीं, जिम्बाब्वे की टीम पहले मैच में बल्लेबाजी में संघर्ष करती नजर आई थी। ऐसे में मेजबान टीम सीरीज बचाने के लिए दूसरे मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

वैभव दुनिया के सबसे युवा टी20 अर्धशतकवीर

एजेंसी

हरारे। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक और तेज गेंदबाज मयंक यादव की शानदार वापसी की बदौलत भारत ने गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हरा दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली जीत रही, जबकि इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में भारत ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। पहले टी20 मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक जड़ा, जबकि मयंक यादव ने वापसी मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेकर जीत की नींव रखी। 126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने आते ही मैच का रुख बदल दिया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। वैभव ने रिचर्ड एनगरावा और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन ठोक दिए। उनका अर्धशतक सिर्फ 18 गेंदों में पूरा हुआ। अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद वह आउट हो गए, लेकिन तब तक मैच पूरी तरह भारत की पकड़ में आ चुका था। उनके आउट होने के बाद ईशान किशन ने 24 गेंदों में 35 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंदों में 28 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत ने 40 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे युवा अर्धशतकवीर बने वैभव

इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 15 साल और 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पचास रन बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए। उन्होंने जिब्राल्टर के लुई ब्रूस (16 वर्ष 56 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा।

वैभव पहले ही 15 साल और 99 दिन की उम्र में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ते हुए सबसे युवा भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन चुके हैं। इंग्लैंड दौरे पर लगातार तीन छोटी पारियों के बाद हरारे में उन्होंने साबित कर दिया कि उन्हें भविष्य का सितारा क्यों माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इसी मैदान पर उन्होंने इस साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी और अब यहीं अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक भी जड़ दिया।

श्रेयस अय्यर के नाम पहली जीत

यह जीत कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए भी बेहद खास रही। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर लगातार छह टी20 मुकाबले हारने के बाद आखिरकार उनकी कप्तानी में भारत को पहली जीत मिली। गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन और वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर भारत ने एकतरफा अंदाज में मुकाबला जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

मयंक यादव की यादगार वापसी

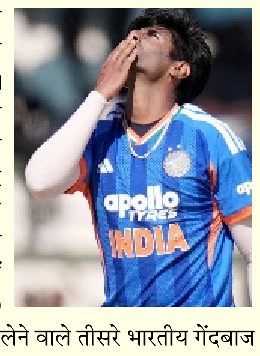

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। ऑन-फील्ड अंपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया। इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी। 145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया।

भारतीय गेंदबाजों ने कसा शिकंजा

भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा। मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली। डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की। जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 32 रन तक अपने चार प्रमुख बल्लेबाज गंवा दिए। ब्रायन बेनेट (0), बेन करन (10), डियन मायर्स (6) और कप्तान सिकंदर रजा (4) सस्ते में आउट हो गए। इसके बाद रयान बर्ल (26), वेस्ली मधेवेरे (38) और तादिवानाशे मारुमानी (नाबाद 27) ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

कॉमनवेल्थ गेम्स

झंडू कुमार ने भारत को दिलाया पहला ब्रॉन्ज़ मेडल, देश हुआ गौरवान्वित

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लासगो में हो रहे 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने अपना मेडल खाता खोला। आज सुबह पुरुषों के हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग फ़ाइनल में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। बिहार के नालंदा ज़िले के रहने वाले झंडू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी दूसरी कोशिश में 190 किलोग्राम वज़न उठाया, 130.9 पॉइंट हासिल किए और पोडियम पर जगह बनाई। उन्होंने 181 किलोग्राम वज़न उठाकर शुरुआत की और फिर अपना प्रदर्शन बेहतर किया। उनकी 196 किलोग्राम की आखिरी कोशिश बर्मिंघम 2022 में बने कॉमनवेल्थ गेम्स के रिकॉर्ड को तोड़ सकती थी, लेकिन वे उस वज़न को उठा नहीं पाए। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने झंडू कुमार की शानदार उपलब्धि से अपना पहला पदक जीता, जिन्होंने पुरुषों की हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया। 190 किलोग्राम वज़न उठाकर पोडियम पर जगह बनाना उनके दृढ़ संकल्प और अदम्य भावना का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस प्रेरणादायक जीत पर उन्हें बधाई दी, जो देश के लिए गर्व का विषय है। इससे पहले, भारत लाइटवेट इवेंट्स में मेडल जीतने से चूक गया। पुरुषों के लाइटवेट फ़ाइनल में अशोक मलिक ने 200 किलोग्राम का अपना अब तक का सबसे अच्छा लिफ़्ट किया और चौथे स्थान पर रहे, जबकि परमजीत कुमार सातवें स्थान पर रहे। महिलाओं के इवेंट्स में जसप्रीत कौर छठे और सुमन देवी सातवें स्थान पर रहीं, जबकि कस्तूरी राजामणि हेवीवेट फ़ाइनल में कोई भी वैलिड लिफ़्ट नहीं कर पाईं।

झंडू कुमार का ब्रॉन्ज़ मेडल जीतना एक बड़ी उपलब्धि है, खासकर उनके मुश्किल सफ़र को देखते हुए। उन्होंने कम उम्र में ही पोलियो को मात दी और परिवार की मदद करते हुए आर्थिक तंगी का सामना किया। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और पैरा पावरलिफ्टिंग के प्रति उनके समर्पण ने उन्हें इंटरनेशनल लेवल तक पहुँचने में मदद की। सोशल मीडिया पोस्ट में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झंडू कुमार को बधाई दी और उनके प्रदर्शन को शानदार बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनकी ज़बरदस्त ताकत, अटूट संकल्प और बरसों की अनुशासित मेहनत का बेहतरीन उदाहरण है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हर चुनौती को पार करके और इंटरनेशनल मंच पर बेहतरीन प्रदर्शन करके, कुमार ने पूरे देश का मान बढ़ाया है और अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया है।

फ्लिपकार्ट ने पार्सल पहुंचाने के लिए भारतीय डाक के साथ की साझेदारी, ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर होंगी सेवाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने भारतीय डाक के जरिए उपभोक्ताओं तक पार्सल पहुंचाने के लिए डाक विभाग के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ई-कॉमर्स मंच ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत फ्लिपकार्ट को डाक विभाग के 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क का लाभ मिलेगा। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने देश के दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में पार्सल पहुंचाने के लिए डाक विभाग के साथ साझेदारी की है। इस समझौते के तहत फ्लिपकार्ट को डाक विभाग के 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क का लाभ मिलेगा। इससे कंपनी की

बाजार तक पहुंच बढ़ेगी और पार्सल पहुंचाने की दक्षता में सुधार होगा।

इससे कंपनी की बाजार तक पहुंच बढ़ेगी, पार्सल पहुंचाने की दक्षता में सुधार होगा और विशेष रूप से दूरदराज तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं बेहतर होंगी। बयान में कहा गया, ''इस समझौते के तहत डाक विभाग देशभर में फ्लिपकार्ट के पार्सल को अंतिम चरण तक पहुंचाने की सेवाएं उपलब्ध कराएगा।'' इस साझेदारी के तहत फ्लिपकार्ट शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज एवं ऐसे इलाके जहां सेवा का अभाव हो वहां भी पार्सल पहुंचाने के लिए इंडिया पोस्ट के व्यापक नेटवर्क का उपयोग करेगा। डाक विभाग ने पिछले साल दिसंबर में अमेजन इंडिया के साथ भी इसी तरह का समझौता किया था।

खर्चों के बावजूद बढ़े कंपनी के लाभ पहली तिमाही में 47 करोड़ का लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। वी-मार्ट रिटेल का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 40.5 प्रतिशत बढ़कर 47.21 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा किवित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 33.60 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वी-मार्ट रिटेल का शुद्ध लाभ 40.5 प्रतिशत बढ़कर 47.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। मुख्य रूप से आय में वृद्धि होने के कारण कंपनी के मुनाफे में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस तिमाही के दौरान कंपनी ने देश में 15 नए स्टोर भी खोले हैं। वित्त वर्ष 2026-27 की जून तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 23 प्रतिशत बढ़कर 1,088.81 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 885.22 करोड़ रुपये थी।

अप्रैल-जून तिमाही में वी-मार्ट का कुल खर्च 22 प्रतिशत बढ़कर 1,031.94 करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में वी-मार्ट की कुल आय 22.9 प्रतिशत बढ़कर 1,091.46 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने 15 नए स्टोर खोले, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाले एक स्टोर को बंद किया। चालू वित्त वर्ष में 30 जून तक देश भर में वी-मार्ट के 591 स्टोर संचालित थे।

हैंडशेक विवादः पत्नी को मिली गालियों पर ट्रेविस हेड ने तोड़ी चुप्पी

सिडनी। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के बाद विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच कथित हैंडशेक विवाद ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। मैच के बाद कैमरों में विराट कोहली, ट्रेविस हेड से हाथ मिलाए बिना आगे बढ़ते नजर आए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों खिलाड़ियों के रिश्तों को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई गईं। अब कई महीनों बाद ट्रेविस हेड ने इस पूरे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आईपीएल 2026 में विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच हुए हैंडशेक विवाद पर आखिरकार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने चुप्पी तोड़ी है। हेड ने साफ कहा कि उनके और

विराट के बीच ऐसा कुछ नहीं है जिसे 'ठीक' करने की जरूरत हो। उन्होंने इस दौरान अपनी पत्नी जेसिका डेविस को सोशल मीडिया पर मिली गालियों का भी जिक्र किया और कहा कि उनकी पत्नी ने पूरे मामले को बेहद मजबूती से संभाला।

'कुछ दिनों बाद लोग सब भूल जाते हैं' : ट्रेविस हेड ने अपनी पत्नी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने पूरे मामले को बेहद संयम के साथ संभाला। उन्होंने कहा, 'कुछ दिनों बाद लोग सब भूल जाते हैं। जेसिका ने इस पूरे मामले को शानदार तरीके से संभाला। असली चुनौती उन लोगों को संभालने की होती है, जो इस तरह की परिस्थितियों से परिचित नहीं होते।'

आरसीबी आईपीएल में फिर बना था चैंपियन : आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। हालांकि, पूरे सीजन में विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच हुए इस हैंडशेक विवाद ने भी काफी चर्चा बटोरी। अब हेड के बयान के बाद इस मामले पर चल रही अटकलों पर काफी हद तक विराम लग गया है।

'विराट से कुछ भी ठीक करने की जरूरत नहीं'

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साफ कर दिया कि उनके और विराट कोहली के बीच किसी तरह की दुश्मनी नहीं है। हेड ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमारे बीच ऐसा कुछ है जिसे ठीक करने की जरूरत है। जो हुआ, वही खेल का हिस्सा था। प्रतियोगिता जिस तरह चली और जो कुछ हुआ, उससे मुझे कोई हैरानी नहीं हुई।' उनके इस बयान से साफ है कि वह इस विवाद को मैदान तक ही सीमित मानते हैं और इसे कोई निजी मसला नहीं समझते।

पत्नी को मिली गालियां, परिवार भी हुआ प्रभावित

हैंडशेक विवाद के बाद ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका डेविस ने खुलासा किया था कि उन्हें सोशल मीडिया पर अपमानजनक संदेश और गालियां मिली थीं। हेड ने माना कि इस घटना का असर सिर्फ उन पर नहीं, बल्कि उनके परिवार पर भी पड़ा। उन्होंने कहा, 'जेसिका और मैं इन चीजों को सही नजरिए से देखते हैं। यही आज की दुनिया है और वह ऐसी परिस्थितियों को जिस तरह संभालती हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है। सबसे ज्यादा असर परिवार के दूसरे लोगों पर पड़ा, जो इस तरह की चीजों के आदी नहीं हैं।'

क्वार्टर फाइनल से अभियान की शुरुआत करेंगे भारत-पाकिस्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। मौजूदा चैंपियन भारत और पाकिस्तान की पुरुष तथा महिला क्रिकेट टीम को जापान में होने वाले एशियाई खेलों में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई है। भारतीय महिला टीम जापान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि पुरुष टीम का मुकाबला प्रारंभिक चरण के मैच के बाद तय होगा। सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का सामना बांग्लादेश या चीन में से किसी एक टीम से होगा।

भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें सितंबर-अक्तूबर में होने वाले एशियाई खेलों में अपना दम दिखाने के लिए तैयार हैं। पुरुष टीम को पाकिस्तान की तरह सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश दिया गया है।

श्रेयस करेंगे पुरुष टीम की अगुआई : दोनों प्रतियोगिताएं आइची प्रांत के कोरोजी एथलेटिक पार्क में टी20 प्रारूप में खेली जाएंगी। श्रेयस अय्यर भारतीय पुरुष टीम की, जबकि हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। क्रिकेट चौथी बार एशियाई खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा है। इससे पहले यह 2010 में ग्वांगझू, 2014 में इंचियोन और 2023 में हांगझोऊ खेलों का हिस्सा था।

सेमीफाइनल में भिड़ सकते हैं भारत-पाकिस्तान

भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना कर सकती है। एशियाई खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर को शुरू होगी और उसका फाइनल मैच एक अक्तूबर को खेला जाएगा। महिलाओं की प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी। भारतीय महिला टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ सकती है। पुरुषों की प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं। प्रारंभिक चरण में ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल तथा ग्रुप बी में हांगकांग, चीन, मलयेशिया और ओमान शामिल होंगे।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

एशियाई खेलों के लिए भारत की महिला क्रिकेट टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल* (फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन), राधा यादव, नंदनी शर्मा।

अंजना ने खेसारी पर लगाया आपत्तिजनक तस्वीरें फैलाने का आरोप

एजेंसी

मुंबई। भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह ने भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभिनेत्री ने खेसारी पर अपनी फेक तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन प्रसारित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे लेकर एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक ढ्ढ-जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन फैलाए जा रहे हैं। भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनकी और उनकी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक ढ्ढ-जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन फैलाए जा रहे हैं। उन्होंने इसे लेकर भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अंजना सिंह ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए अधिकारियों से मामले की जांच करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, 'मैं उत्तर प्रदेश की रहने वाली हूं। मुझे यूपी सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पूरा भरोसा है कि मुझे न्याय मिलेगा। ऐसे लोगों को तुरंत पकड़ा जाएगा और उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा'।

एफआईआर के मुताबिक, एक्ट्रेस ने कहा, 'कुछ लोगों ने मेरे खिलाफ एक सोची-समझी साजिश के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील, भद्दा और आपत्तिजनक कंटेंट प्रसारित किया। मॉर्फ की गई अश्लील तस्वीरें पब्लिश कीं और आपराधिक धमकियां दीं'। यह शिकायत लखनऊ के हजरतगंज स्थित साइबर क्राइम विंग में दर्ज कराई गई है। खेसारी लाल यादव की टीम की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अंजना सिंह ने एफआईआर में क्या कहा?

अभिनेत्री ने कहा कि कुछ लोगों से धमकियां मिल रही हैं, जिनमें लखनऊ न जाने की चेतावनी भी शामिल है। अंजना ने यह भी दावा किया कि खेसारी के मैनेजर अखिलेश कश्यप, उन्हें निशाना बनाने वाला कंटेंट बनाने और उसे प्रमोट करने में शामिल थे। अभिनत्री ने एफआईआर में कहा है, 'खेसारी के मैनेजर अखिलेश ने धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया है। उनकी टीम के लोगों ने मेरे और मेरी बेटी के बारे में गाने भी बनाए'।

धमकी देने का लगाया आरोप

अंजना सिंह ने भोजपुरी सिंगर-एक्टर खेसारी लाल यादव की टीम से जुड़े लोगों पर यह कंटेंट फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। अंजना ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से मेरी और मेरी 11 साल की बेटी की आपत्तिजनक ढ्ढ-जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो फैलाए जा रहे हैं। अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है और धमकियां दी जा रही हैं'।

पति ने ही निर्माताओं संग सोने के लिए बनाया दवाब...

आमिर के सौतेले भाई हैदर की एक्स वाइफ ने लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी

मुंबई। हाल ही में अभिनेत्री ईवा ग्रोवर ने अपने पूर्व पति और अभिनेता आमिर खान के सौतेले भाई हैदर अली खान को लेकर कई गंभीर दावे किए हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि हैदर इन दिनों आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं, चाल में रह रहे हैं और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। अब ईवा ने एक और सनसनीखेज आरोप लगाया है। उनका दावा है कि शादी के दौरान हैदर अली खान उन पर फिल्म इंडस्ट्री में काम दिलाने के नाम पर निर्देशकों के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालते थे। ये आरोप ईवा ग्रोवर की ओर से लगाए गए हैं। 45 वर्षीय अभिनेत्री ईवा ग्रोवर जो रेडी और करिश्मा का करिश्मा जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपने पूर्व पति हैदर अली खान को लेकर गंभीर आरोप लगाए। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में जब उनसे पूछा गया की क्या उनके पूर्व पति ने कभी उन्हें दूसरे लोगों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए दवाब डाला था तो ईवा ने दावा किया की ऐसा हुआ था। उनके मुताबिक, उन पर इस तरह का दवाब बनाया गया और इस संबंध में उनसे ऐसी बातें कही गई थीं। इंटरव्यू के दौरान ईवा ग्रोवर से यह भी पूछा गया कि क्या उन्हें कभी फिल्म इंडस्ट्री में काम दिलाने के लिए निर्देशकों या निर्माताओं के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दवाब बनाया गया था। इस पर ईवा ने दावा किया कि उन्हें अपने करियर में कभी काम की कमी नहीं रही। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा जरूर आया, जब उन्होंने अपने पूर्व पति के परिवार की आर्थिक मदद के लिए अपनी फिक्स्ड डिपाजिट तुड़वा दी और अपनी गाड़िया तक बेचनी पड़ी। ईवा के अनुसार, उसी दौरान उनकी ओर से इस तरह का प्रस्ताव रखा गया लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार करने से मना कर दिया है। ईवा ग्रोवर ने आगे दावा किया कि उनके पूर्व पति ने उनसे कहा था कि घर का खर्च चलाने, बिजली का बिल भरने और परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्हें ऐसा करना पड़ेगा। ईवा के मुताबिक, उनसे यह भी कहा गया कि बच्चों की जिम्मेदारियों के लिए पैसे जरुरी हैं इसलिए इस तरह का समझौता करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। ये सभी दावे ईवा ग्रोवर ने इंटरव्यू के दौरान किए। हालांकि, इन गंभीर आरोपों के बावजूद ईवा ने हैदर अली खान की मौजूदा हालत पर दुख भी जताया। उन्होंने बताया कि हैदर कथित तौर पर सिजोफ्रेनिया से जूझ रहे हैं और उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। ईवा के अनुसार, उनके पास रहने के लिए स्थायी घर नहीं है और वह कठिन परिस्थितियों में जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रार्थना करती हैं कि जब भी उनका अंतिम समय आए, उन्हें शांति मिले।

न्यूयॉर्क में हाउसफुल शो के बाद नवाजुद्दीन ने फैंस का जताया आभार

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपने थिएटर प्ले नकाब के यूएसए टूर को लेकर सुर्खियों में हैं। अमेरिका के अलग-अलग शहरों में इस नाटक को शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। हाल ही में न्यूयॉर्क सिटी में हुए एक और हाउसफुल शो के बाद अभिनेता ने सोशल मीडिया पर दर्शकों का दिल से शुक्रिया अदा किया और इस प्यार के लिए अपनी खुशी जाहिर की। नकाब के अमेरिका दौरे का न्यूयॉर्क शो भी पूरी तरह हाउसफुल रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों ने नाटक का गर्मजोशी से स्वागत किया और कलाकारों की प्रस्तुति की जमकर सराहना की।

यह शो टूर के सबसे सफल पड़ावों में से एक माना जा रहा है। हाउसफुल परफॉर्मेंस के बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्टेज से एक तस्वीर साझा की। इस फोटो में वह अपनी बेटी शोरा सिद्दीकी और पूरी कास्ट के साथ भरे हुए ऑडिटोरियम के सामने नजर आए। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, अमेरिका में हर जगह हाउस पैक्ड। आप सभी का धन्यवाद। उनके इस संदेश ने दर्शकों के प्रति उनका आभार साफ जाहिर किया। इस थिएटर टूर की सबसे खास बात नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी बेटी शोरा सिद्दीकी की ऑन-स्टेज केमिस्ट्री रही है। दोनों पहली बार एक साथ मंच साझा कर रहे हैं और उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। पिता-बेटी की इस जोड़ी ने अपने अभिनय से थिएटर प्रेमियों का दिल जीत लिया है। यूएसए टूर के हर शहर में नकाब को भरपूर समर्थन मिल रहा है। लगातार हाउसफुल शो और दर्शकों की स्टैंडिंग ओवेशन इस बात का प्रमाण हैं कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी का अपने फैंस के साथ जुड़ाव आज भी उतना ही मजबूत है। यही वजह है कि यह नाटक अमेरिका के चर्चित लाइव थिएटर शो में शामिल होता जा रहा है। न्यूयॉर्क में मिली शानदार सफलता के बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी और शोरा सिद्दीकी अब अपने अगले पड़ाव के लिए तैयार हैं।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, वाणी कपूर बोलीं- यह छात्रों का पल

एजेंसी

आलिया-प्रियंका समेत सेलेब्स ने दी प्रतिक्रिया

मुंबई। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने शनिवार, 25 जुलाई को घोषणा की कि पिछले 10 दिनों में हुई घटनाओं से उन्हें दुख हुआ है, जिसके कारण जनता और राजनीतिक दबाव बढ़ गया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दे दिया है। उनके इस्तीफे पर कई सेलेब्स ने प्रतिक्रिया दी है। कई दिनों तक चले छात्रों के प्रदर्शन के बाद आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस पर फिल्म इंडस्ट्री की कई हस्तियों ने प्रतिक्रिया दी है। धर्मेंद्र प्रधान का यह इस्तीफा सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच आया है। छात्र जून से दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने नीट परीक्षा सहित प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर प्रधान के इस्तीफे और जवाबदेही की मांग की थी।

प्रकाश राज: धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर खुशी का इजहार करते हुए अभिनेता प्रकाश राज ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए एक्स पर लिखा 'मेरे प्यारे कॉकरोचेस, सोनम वांगचुक सर और उन सभी लोगों को बधाई जिन्होंने युवाओं का साथ दिया। आप लोगों ने साबित कर दिया है कि आप किसी भी सरकार को घुटनों पर ला सकते हैं।'

प्रियंका ने दी प्रतिक्रिया: धर्मेंद्र प्रधान के इस्तेफे पर प्रियंका चोपड़ा ने एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कमेंट्स में ताली बजाने, लाल दिल और हाथ ऊपर उठाने वाले इमोजी पोस्ट किए। इससे ऐसा लगा कि वह उस मैसेज का समर्थन कर रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा 'एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम के तहत छात्रों के कई दिनों तक प्रदर्शन करने के बाद आखिकार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है।'

वाणी कपूर: वाणी कपूर ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की जानकारी देते हुए लिखा 'यह पल उन उन सभी छात्रों के लिए है, जिन्होंने कोशिश जारी रखी, जिन्होंने सवाल पूछना जारी रखा, जिन्होंने उम्मीद बनाए रखी।'

फातिमा सना शेख: वहीं फातिमा सना शेख ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा 'शुक्रिया दोस्तों। कॉकरोच जनता पार्टी आपने कर दिखाया। यह जीत छात्रों के लिए है।'

दीया मिर्जा: दीया मिर्जा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है।

इसमें उन्होंने दो चिड़ियों के प्यार करने वाला वीडियो शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा 'वांगचुक शांति के रास्ते पर चलने और हमारे बच्चों को यह दिखाने के लिए आपका धन्यवाद कि सच्चा प्यार कैसा होता है। नफरत से आजादी। डर से आजादी। हमारे शिक्षा सिस्टम में जवाबदेही, पारदर्शिता और सुधार की मांग करने वाले हर युवा छात्र का धन्यवाद। कॉकरोच जनता पार्टी आप जैसे हैं, वैसे ही सम्मानजनक, शांतिपूर्ण और अडिग बने रहें। नेहा, अमीन, मनीष, आप सभी का धन्यवाद।

इन तरीकों से धीरे-धीरे कम करें बच्चे की स्क्रीन टाइम की आदत

एजेंसी

मुंबई। आज के डिजिटल दौर में मोबाइल, टैबलेट और टीवी बच्चों की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। कई बच्चे खाना खाते समय फोन मांगते हैं, रोने पर मोबाइल देखकर शांत हो जाते हैं या फिर दिनभर स्क्रीन देखने की जिद करते हैं। शुरुआत में यह आदत माता-पिता को आसान समाधान लग सकती है, लेकिन धीरे-धीरे यही बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन जाती है। बच्चों में स्क्रीन टाइम की आदत एक दिन में नहीं बनती, इसलिए इसे खत्म करने में भी समय लगता है। अचानक मोबाइल छीन लेने से बच्चा परेशान हो सकता है और गुस्सा भी कर सकता है।

ऐसे में जरूरत है कि प्यार और समझदारी के साथ धीरे-धीरे उनकी स्क्रीन पर निर्भरता कम की जाए। अगर बच्चा रोजाना कई घंटे मोबाइल देखता है, तो उसे एकदम से फोन देना बंद न करें। अचानक बदलाव करने से बच्चा ज्यादा जिद कर सकता है। बेहतर होगा कि धीरे-धीरे स्क्रीन टाइम कम किया जाए। उदाहरण के लिए, अगर बच्चा रोज 4 घंटे मोबाइल देखता है, तो हर हफ्ते 15 से 20 मिनट तक समय कम करने की कोशिश करें। धीरे-धीरे बच्चा नई आदत को स्वीकार करने लगेगा और उसे परेशानी भी कम होगी। कई माता-पिता बच्चों को खाना खिलाने के लिए मोबाइल या टीवी का सहारा लेते हैं। इससे बच्चा आसानी से खाना तो खा लेता है, लेकिन धीरे-धीरे उसे बिना स्क्रीन के खाना खाने की आदत नहीं रहती। कोशिश करें कि परिवार के सभी सदस्य साथ बैठकर खाना खाएं और उस दौरान मोबाइल या टीवी से दूरी बनाएं।

सेवा और आस्था के साथ हृदान का पहला बर्थडे

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता विनीत कुमार सिंह और उनकी पत्नी रुचिरा सिंह ने अपने बेटे हृदान के पहले जन्मदिन को बेहद खास और यादगार अंदाज में मनाया। कपल ने इस खास मौके पर किसी भव्य पार्टी के बजाय आस्था, सेवा और कृतज्ञता को प्राथमिकता दी। उन्होंने अपने बेटे के जन्मदिन की शुरुआत भगवान का आशीर्वाद लेकर की और जरूरतमंदों की सेवा में समय बिताया।

हृदान के जन्मदिन के मौके पर पूरा परिवार सबसे पहले गुरुद्वारे पहुंचा, जहां उन्होंने लंगर सेवा में हिस्सा लिया और लोगों को भोजन वितरित किया। इसके बाद परिवार ने इस्कान मंदिर जाकर बेटे के लिए सुख, शांति और अच्छे भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद लिया। इस सादगी भरे सेलिब्रेशन में परिवार की आस्था और संस्कार साफ नजर आए। इस खास मौके पर विनीत कुमार सिंह ने कहा कि हृदान का एक साल का होना उनके लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि बेटे का पहला जन्मदिन प्रार्थना, सेवा और कृतज्ञता के साथ शुरू हो।

बतौर माता-पिता उनकी यही इच्छा है कि हृदान बड़ा होकर एक दयालु, संवेदनशील और जमीन से जुड़ा इंसान बने। हृदान के जन्मदिन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किए जा रहे हैं। फैंस और शुभचिंतकों ने परिवार को प्यार और शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें तो विनीत कुमार सिंह जल्द ही मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी फिल्म शशक्ति शालिनीश् में नजर आएंगे। इसके अलावा वह विक्रम फडणीस के निर्देशन में बन रही एक अनटाइटल्ड फिल्म का भी हिस्सा हैं, जिसमें उनके साथ सैयामी खेर और ताहिर राज भसीन दिखाई देंगे।

आपने कुछ भी ऐसा नहीं कहा जो लाखों दिलो को ठीक कर सके

एजेंसी

प्रदर्शन के बीच दिया मिर्जा ने पीएम मोदी से किया सीधा सवाल

मुंबई। छात्रों प्रदर्शन को लेकर जहां बॉलीवुड के कई बड़े सितारों, जिनमें सलमान खान और आलिया भट्ट जैसे नाम भी शामिल हैंम ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी, वहीं अदिकांश पोस्ट में छात्रों की मांगों को लेकर सर्कार से सीधे सवाल नहीं किए गए। इसी बीच अभिनेत्री दिया मिर्जा ने अलग रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र से खुलकर सवाल किए। दिया ने परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ देशभर में चल रहे छात्र आंदोलनों पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया को लेकर अपनी निराशा जाहिर की।

उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को बोलने में 47 दिन लग गए और उनके ब्यान में उन परिवारों, छात्रों और लंबे समय तक भूख हड़ताल पर बैठे प्रदर्शनकारियों के प्रति अपेक्षित संवेदनाएं नहीं दिखीं। अभिनेत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के बयान में उन्हें संवेदनशीलता की कमी महसूस हुई। उन्होंने उठाया कि जिन माता-पिता ने अपने बच्चों को खो दिया, उनके प्रति शोक या सहानुभूति का एक भी शब्द क्यों नहीं कहा गया।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि कई हफ्तों तक भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों और अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाने वाले युवाओं के साहस और संघर्ष का जिक्र भी बयान में क्यों नहीं किया गया।

शुक्रवार को दिया मिर्जा ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीट परीक्षा पेपर लीक मामले पर दिए गए संबोधन पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा की इस बयान में उन छात्रों और परिवारों के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता नजर नहीं आई, जो इस पूरे विवाद से प्रभावित हुए हैं। इसी के साथ दिया ने अपनी पोस्ट में लिखा कि- 'जिन माता-पिता ने अपने बच्चे खो दिए हैं, जिन बच्चों की मौत हो गई है।

अपनों से कटती जड़ें- क्या आधुनिकता की कीमत माता-पिता के आंसुओं से चुकाई जाएगी?

ब्रजेश मिश्र

जिस घर में बुजुर्गों की मुस्कान मर जाती है, उस घर की खुशियाँ भी धीरे-धीरे दम तोड़ देती हैं।

आज का भारत तकनीक, विज्ञान और आधुनिकता के शिखर की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। हमारी मुट्ठी में पूरी दुनिया समाहित हो चुकी है। मोबाइल की एक स्क्रीन पर संसार दिखाई देता है, लेकिन विडंबना यह है कि उसी घर में बैठे अपने माता-पिता और दादा-दादी का अकेलापन उनका घुटन हमें दिखाई नहीं देता। हमने ऊँची-ऊँची इमारतें बना लीं, कीमती से कीमती गाड़ियाँ खरीद लीं, बैंक बैलेंस बढ़ा लिया, लेकिन कहीं न कहीं अपने संस्कारों की सबसे मजबूत नींव को खोखला करते हुए ध्वस्त कर दिया।

आज समाज के सामने सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक है। यह संकट है—अपने ही माता-पिता से बढ़ती दूरी का, रिश्तों के सूखते एहसास का, संस्कारों के हनन का और संवेदनाओं के मरते हुए संसार का। एक समय था जब घर का सबसे सम्मानित स्थान दादा-दादी या माता-पिता का होता था। उनके अनुभव परिवार के पूँजी माने जाते थे। आज वही लोग कई घरों में एक कमरे तक सीमित कर दिए गए हैं। उनकी बातें पुरानी सोच कहकर टाल दी जाती हैं और उनकी मौजूदगी को समस्या समझा जाने लगा है।

जरा सोचिए जिस माँ ने अपनी गोद को हमारा बिस्तर और अपनी नींद को हमारी एक मुस्कान के लिए न्योछावर कर दिया था... जिसने स्वयं भूखी रहकर हमें पेट भर खाना खिलाया... जिसने हमारी एक खरोंच पर रात-भर जागकर दुआएँ कीं... आज वही माँ अपने ही घर में बेटे से दो मीठे शब्द सुनने के लिए तरस जाती है।

जिस पिता ने अपनी इच्छाओं का गला घोंटकर हमारे सपनों को पंख दिए, हमारी उंगली पकड़ कर चलना सिखाया...जिसने धूप, बारिश और ठंडी हवाओं की परवाह किए बिना जीवन भर संघर्ष किया, आज वही पिता अपने बेटे के घर में खुद को अनचाहा और अकेला महसूस करता है।

यह केवल उपेक्षा नहीं, बल्कि उस त्याग और परिश्रम का अपमान है जिसने हमें इस मुकाम तक पहुँचाया। आज के इस दौर में रिश्ते तो ऑनलाइन हैं पर अपनापन ऑफलाइन हो गया है। तकनीक ने तो दुनिया को जोड़ने का दावा किया था, लेकिन उसने घरों के भीतर बहुत ही दूरियाँ बढ़ा दी हैं।

आज भोजन की मेज पर परिवार साथ बैठता जरूर है, लेकिन हर किसी की नजर मोबाइल की स्क्रीन पर टिकी होती है। एक ही छत के नीचे रहने वाले लोग घंटों सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से बातें करते रहतें हैं, लेकिन अपने माता-पिता से पाँच मिनट बैठकर उनसे बात नहीं कर सकते उनका हाल नहीं पूछते।

बुजुर्गों को धन नहीं चाहिए। उन्हें बस इतना चाहिए की कोई उनका हाथ पकड़कर पूछ ले—आज तबीयत कैसी है?

उन्हें चाहिए कोई उनकी पुरानी यादें सुन ले। उनकी कोई पुरानी कहावत या कहानी सुन ले,

उन्हें चाहिए कोई उनके साथ थोड़े समय बैठ कर एक कप चाय पी ले।

लेकिन आज की भागदौड़ में उनके हिस्से में अक्सर सिर्फ़ खामोशी रह जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या—क्या यही विकास है?

हर वर्ष वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ रही है। यह केवल इमारतों की संख्या नहीं बढ़ रही, बल्कि उन टूटे हुए रिश्तों की गिनती बढ़ रही है जिनके संस्कारों के सहारे कभी परिवार खड़े थे।

जरा सोचिए...

जिस पिता ने हमारी उँगली पकड़कर चलना सिखाया, आज वही किसी वृद्धाश्रम की खिड़की पर खड़ा होकर इस उम्मीद में दरवाज़े की ओर एक टक देखता है कि शायद आज उसका बेटा मिलने आएगा।

जिस माँ ने नौ महीने गर्भ में रखा, वर्षों तक सीने से लगाकर पालन-पोषण किया, वही माँ त्योहारों पर भी अपने बच्चों का इंतज़ार करती रह जाती है।

क्या गुजरते समय के साथ उसका अधिकार शून्य हो गया आज के समाज में इससे बड़ी कोई विडंबना हो ही नहीं सकती है?

आधुनिकता बुरी नहीं, संवेदनहीनता सबसे बड़ा संकट और अभिशाप है यह सच है कि आज की जिंदगी पहले से कहीं अधिक व्यस्त है। नौकरी का दबाव है, महँगाई है, छोटे फ्लैट हैं, पति-पत्नी दोनों काम करते हैं। लेकिन क्या इन सबका अर्थ यह है कि माता-पिता के लिए हमारे पास दो पल भी न हों?

समस्या आधुनिकता नहीं है।

समस्या यह है कि हमने सुविधाओं को रिश्तों से कहीं बड़ा बना दिया है।

हमने सफलता की परिभाषा में माता-पिता की मुस्कान को शामिल करना ही छोड़ दिया है।

याद रखिएगा...

धन कमाने वाला हर व्यक्ति सफल नहीं होता।

सफल वही है जिसके कारण उसके माता-पिता गर्व से मुस्कुराते हों।

समय का सबसे बड़ा न्याय और जीवन का सबसे कठोर सत्य यही है कि समय कभी किसी के लिए नहीं रुकता।

आज जो युवा अपने बूढ़े माता-पिता को बोझ समझ रहें है, कल उसकी संतानें भी उन्हीं से सीखेंगी। बच्चे हमारी बातें नहीं, हमारा व्यवहार और हमारे संस्कार सीखते हैं।

यदि हम अपने माता-पिता का सम्मान करेंगे तो आने वाली पीढ़ियाँ भी हमारा सम्मान करेंगी। यदि हम उन्हें अकेला छोड़ देंगे उनका अपमान करेंगे, तो कल वही अकेलापन हमारी प्रतीक्षा करेगा और वे भी हमारा अपमान करेंगे।

यह केवल कर्म का सिद्धांत नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान का यथार्थ सत्य है।

आइए, देर होने से पहले लौट चलें...

अब भी बहुत देर नहीं हुई है।

आज घर लौटकर माँ के पास पाँच मिनट बैठिए।

पिता के कंधे पर हाथ रखकर पूछिए—पापा, कैसे हैं आप? आपको कोई दिक्कत तो नहीं,

दादा-दादी की पुरानी बातें सुन लीजिए उनसे उनकी कोई पुरानी कहानी कहने को कहिये।

यकीन मानिए, उनके चेहरे पर जो मुस्कान आएगी, वह दुनिया की सबसे बड़ी दौलत होगी।

क्योंकि जिस दिन माता-पिता इस दुनिया से चले जाते हैं, उस दिन उनके लिए निकले आँसू न उन्हें वापस ला सकते हैं न उनके ख्यालो को।

उनकी खाली कुर्सी जीवन भर हमें यह एहसास कराती रहती है कि हम अपने सबसे बड़े कर्तव्य में कहीं न कहीं असफल रहे।